दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 04 : अंक : 27 | ग्वालियर, मंगलवार 16 मार्च 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

दोषी आरिज खान को साकेत कोर्ट ने दी फांसी की सजा

नई दिल्ली। बाटला हाउस मुठभेड़ मामले में दोषी करार दिए गए आरिज खान को आज दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट फांसी की सजा सुनाई है. कोर्ट ने कहा कि आरिज को 302 के तहत पहले ही दोषी करार दिया चुका है. कोर्ट के सामने सवाल ये था कि ये केस है या नहीं. कोर्ट ने 8 मार्च को अपने फैसले में कहा था कि एनकाउंटर के वक्त आरिज खान मौके पर ही था और वो पुलिस की पकड़ से भाग निकला था. अदालत ने सुनवाई के दौरान फैसला सुनाते हुए कहा कि उसने भागने से पहले पुलिसवालों पर भी फायरिंग की थी. आपको बता दें कि इसके पहले 8 मार्च को बहुचर्चित बाटला हाउस मुठभेड़ से जुड़े केस में दिल्ली की साकेत अदालत ने के आतंकी आरिज खान को दोषी करार दे दिया था।

इसके पहले 8 मार्च को दिल्ली की साकेत कोर्ट ने इंडियन मुजाहिद्दीन के आतंकी आरिज खान को आईपीसी की धारा 186, 333, 353, 302, 307, 174, 34 के तहत दोषी पाया था. कोर्ट ने आईएम के आतंकी को आर्म्स ऐक्ट की धारा 27 के तहत भी दोषी करार दिया था. जिसके बाद कोर्ट ने 15 मार्च यानि आज के दिन आरिज खान को सजा की घोषणा का ऐलान करने की बात कही थी आपको बता दें कि लगभग एक दशक तक कथित तौर पर फरार रहने के बाद फरवरी 2018 में दिल्ली पुलिस की स्पेशल

सेल ने आरिज खान को गिरफ्तार किया था.

2008 का है मामला-पुलिस का आरोप है कि दिल्ली में 13 सितंबर 2008 को पांच जगह बम धमाके हुए. इनमें 30 लोगों की जान गई व कई सारे लोग जख्मी हुए. इस मामले की जांच के दौरान पुलिस की स्पेशल सेल को सूचना मिली कि जामिया के बाटला इलाके में कुछ आतंकी छिपे हैं. पुलिसबल मौके पर पहुंचा. उस समय बाटला हाउस के उस फ्लैट में आरिज खान उर्फ जुनैद के साथ चार और लोग फ्लैट में मौजूद थे. वहां पुलिस वे आतंकियों मे मुठभेड़ हुई. दो आतंकी मौके पर मारे गए, जबकि तीन वहां से भागने में सफल रहे. इन्हीं में से एक था आरिज खान, जबकि दो अन्य आरोपी मोहम्मइद सैफ एवं जिशान गिरफ्तार कर लिए गए.

कांग्रेस ने बताया था फर्जी-गौरतलब है कि इस मुठभेड़ को कांग्रेस और बीजेपी के बीच सियासत भी खूब हुई. कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने आतंकियों के समर्थन में बेबाकी से बयान दिए थे और मुठभेड़ को फर्जी ठहराया था. राजनीतिक पंडितों के मुताबिक महज वोट बैंक की खातिर इस मामले में दुष्प्रचार का सहारा लिया, अब जब साकेत कोर्ट ने आरिज खान को इंस्पेक्टर मोहनचंद शर्मा की हत्या का दोषी माना है, तो तय है कि आने वाले दिनों में बाटला हाउस मुठभेड़ पर एक बार फिर राजनीति देखने में आएगी.

इंसपेक्टर शहीद हो गए थे मुठभेड़ में

इस मुठभेड़ में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के होंनहार इंस्पेक्टर मोहनचंद शर्मा आतंकियों की गोलियों का निशाना बने और शहीद हो गए थे. इस मामले में वर्ष 2013 में अदालत ने इंडियान मुजाहिदीन के आतंकी शहजाद अहमद को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी. शहजाद की सजा के खिलाफ अपील हाईकोर्ट में लंबित है. गौरतलब है कि आरिज खान ने पिछले साल सितंबर में कोर्ट के सामने कहा था कि उसे झूठे मामले में फंसाया गया है. पटियाला हाउस कोर्ट में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश संदीप यादव के समक्ष अंतिम दलील के दौरान उसने कहा था कि उस समय उसके फ्लैट से संबंधित होने या वहां उसकी उपस्थिति साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं है. अदालत ने आठ साल पहले एक अन्य आतंकवादी शहजाद अहमद को मामले के सिलसिले में उम्रकैद की सजा सुनाई थी.

न्यूज ट्रैक

जालंधर में मिला कोरोना का नया स्ट्रेन पंजाब के 8 जिलों में नाइट कर्फ्यू

चंडीगढ़। पंजाब के जालंधर, नवाशहर और शाहपुर में कोरोना वायरस का नया स्ट्रेन मिला है। इसके साथ ही 8 जिलों में नाइट कर्फ्यू लगा दिया गया है। मोहाली, जालंधर और लुधियाना में भी नाइट कर्फ्यू लगाया गया है। पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह सिधू ने कहा कि वह मंगलवार को नवाशहर, जालंधर और शाहपुर जाकर स्थिति की समीक्षा करेंगे। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, जालंधर, नवाशहर और शाहपुर में नया स्ट्रेन मिला है। मैं कल इन जगहों पर जाकर स्थिति की समीक्षा करूंगा। मोहाली, जालंधर और लुधियाना सहित कम से कम 8 जिलों में नाइट कर्फ्यू लगाया जा चुका है। गौरतलब है कि कोरोना वायरस की दूसरी लहर में जिन राज्यों में केस तेजी से बढ़ रहे हैं उनमें पंजाब भी शामिल है। देश में एक दिन में कोविड-19 के 26,291 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 1,13,85,339 हो गई। आंकड़ों के अनुसार, देश में 85 दिन बाद एक दिन में सर्वाधिक नए मामले सामने आए। इससे पहले 20 दिसंबर को 24 घंटे में 26,624 नए मामले सामने आए थे।

मुंबई पुलिस ने सचिन वाझे को किया सस्पेंड

मुंबई। मुंबई पुलिस ने अपने अधिकारी सचिन वाझे को सस्पेंड कर दिया है। कारोबारी मुकेश अंबानी के घर के बाहर मिली संदिग्ध कार के मामले में एनआईए की ओर से वाझे को गिरफ्तार किए जाने के बाद यह फैसला लिया गया है। शनिवार देर रात सचिन वाझे को एनआईए ने अरेस्ट कर लिया था। इसके बाद से ही उन्हें निलंबित किए जाने के कयास लगाए जा रहे थे। 2006 में निलंबित हो चुके सचिन वाझे की 2020 में वापसी हुई थी, लेकिन एक साल से भी कम वक्त में उन्हें दोबारा निलंबन झेलना पड़ा है। इस बीच एनआईए सूत्रों का कहना है कि एंटीलिया के बाहर सीसीटीवी फुटेज में पीपीई किट पहने नजर आया शख्स कोई नहीं बल्कि सचिन वाझे ही हो सकते हैं।एनआईए के सूत्रों के मुताबिक एजेंसी इस एंगल से भी पूरे मामले की जांच कर रही है। एक सीसीटीवी फुटेज में एंटीलिया के पास पीपीई किट पहने एक शख्स दिख रहा है। यह उसी दिन का फुटेज है, जिस दिन संदिग्ध स्कॉर्पियो मिली थी। एजेंसी फिलहाल इस बात की जांच करने में जुटी है कि पीपीई किट पहने हुए जो शख्स दिख रहा है, वह सचिन वाझे ही हैं या कोई और है। इसके अलावा एनआईए यह जांच कर रही है कि आखिर 25 फरवरी की शाम को सचिन वाझे की लोकेशन क्या थी। इसी दिन संदिग्ध स्कॉर्पियो कार मिली थी, जिससे जिलेटिन की 20 छड़ें बरामद की गई थीं। यही नहीं इस कार से एक धमकी भरा पत्र भी मिला था। इस लेटर में मुकेश अंबानी और उनकी पत्नी नीता अंबानी को संबोधित करते हुए लिखा गया था कि अभी तो यह ट्रेलर ही है, पूरी तैयारी कर ली गई है। एनआईए इस बात की जांच कर रही है कि आखिर 25 फरवरी को सचिन वाझे की लोकेशन क्या थी। यदि वह एंटीलिया के पास नहीं थे तो फिर कहां थे। इसके लिए सीसीटीवी फुटेज की जांच भी एनआईए की ओर से की जा रही है।

करोल बाग में 5 घंटे तक चला दिल्ली पुलिस का सर्च ऑपरेशन, 55 लोग पकड़े

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के करोल बाग इलाके में घेराबंदी कर पांच घंटे तक चलाए गए सर्च ऑपरेशन में दिल्ली पुलिस ने संदिग्ध रूप से घूम रहे 55 लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि इस अभियान में अर्धसैनिक बल के कर्मियों सहित 100 कर्मी शामिल थे। यह अभियान रविवार शाम सात बजे से देर रात तक चलाया गया। पुलिस उपायुक्त (मध्य) जसमीत सिंह ने बताया कि घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाने का मकसद आपराधिक कृत्यों में पहले से शामिल संदिग्धों को पकड़ना था। उन्होंने बताया कि यह अभियान पांच घंटे तक चला। इस दौरान सूचीबद्ध अपराधियों को पकड़ा गया। डीसीपी ने बताया कि सार्वजनिक स्थान पर दो व्यक्ति शराब पीते पकड़े गए। उन्हें दिल्ली आबकारी अधिनियम के तहत हिरासत में लिया गया है। वहीं, संदिग्ध रूप से घूम रहे 55 अन्य को दिल्ली पुलिस अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। उन्होंने बताया कि ई-बीटबुक की मदद से 59 वाहनों की तलाशी भी ली गई। किसी विशेष क्षेत्र की ई-बीटबुक में संदिग्धों और वॉन्टेड अपराधियों का विवरण होता है।

अमित शाह का ममता बनर्जी पर तंज

हेलिकॉप्टर खराब हुआ लेकिन साजिश नहीं बताऊंगा

बांकुरा। पश्चिम बंगाल के बांकुरा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए होम मिनिस्टर अमित शाह ने ममता बनर्जी पर तंज कसते हुए कहा कि आज मेरा हेलिकॉप्टर खराब हो गया, लेकिन मैं इसमें किसी की साजिश नहीं बताऊंगा। अमित शाह ने कहा, आज मैं थोड़ा लेट हो गया क्योंकि मेरा हेलिकॉप्टर खराब हो गया। लेकिन मैं यह नहीं कहूंगा कि इसमें किसी की साजिश थी। अमित शाह ने ममता बनर्जी पर तंज कसते हुए कहा कि चुनाव आयोग कह रहा है कि उन्हें लगी एक चोट हादसा थी, जबकि ममता बनर्जी का कहना है कि इसके पीछे साजिश थी।

अमित शाह ने कहा, ममता बनर्जी के पैर में चोट लग गई है, लेकिन इसका पता नहीं चला है कि कैसे लगी है। टीएमसी का कहना है कि इसके पीछे कोई साजिश है, लेकिन चुनाव आयोग का कहना है कि यह

एक हादसा था। दीदी आप पूरे पश्चिम बंगाल में व्हीलचेयर पर घूम रही हैं। अपने पैर को लेकर चिंता है, लेकिन आपको हमारे 130 कार्यकर्ताओं की माताओं के लिए कोई दर्द नहीं है, जिनके बच्चों को मार डाला गया। बांकुरा से पहले अमित शाह का झारग्राम में रैली को संबोधित करने का कार्यक्रम था, लेकिन ऐन वक्त पर हेलिकॉप्टर खराब होने के चलते उन्होंने रैली को वर्चुअल ही संबोधित किया था। ममता बनर्जी बोलीं, मेरी चोट से ज्यादा जरूरी है फर्ज-इस बीच सीएम ममता बनर्जी भी पुरुलिया जिले के बाघमुंडी इलाके में रैली को संबोधित करने के लिए व्हीलचेयर पर पहुंचीं। ममता बनर्जी ने इस दौरान खुद को घायल होने का जिक्र करते हुए कहा कि मुझे चोट लगी, लेकिन सौभाग्य से बच गई। ममता बनर्जी ने कहा कि मुझे चोट लगी, लेकिन फिर भी निकलना पड़ा। इसकी वजह यह है कि मेरे दर्द से ज्यादा दर्द राज्य के लोगों का है।

लखनऊ में अखिलेश यादव और सीएम योगी आदित्यनाथ के बीच होर्डिंग वार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की की सियासत में इन दिनों पोस्टर वॉर छिड़ गया है. प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सूबे के सीएम योगी आदित्यनाथ और पूर्व सीएम अखिलेश यादव का पोस्टर लगाया गया है. जिसमें लिखा गया है. अखिलेश की तस्वीर पर कैप्शन है मुकदमा लगाए और उनके खिलाफ लगाए गए आईपीसी की धाराएं वहां वर्णित हैं. दरअसल, मीडियाकर्मियों के साथ हाथापाई के बाद मुरादाबाद में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के खिलाफ एफआईआर का मुद्दा एक राजनीतिक विवाद बन गया है. राज्य की राजधानी में सोमवार सुबह एक होर्डिंग लगा है, जिसमें एक तरफ सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की तस्वीर है, और दूसरी तरफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीर है. 1090 क्रॉसिंग पर होर्डिंग में दिलचस्प कैप्शन लिखा गया है. अखिलेश की तस्वीर पर कैप्शन है मुकदमा लगाए और उनके खिलाफ लगाए गए आईपीसी की धाराएं वहां वर्णित हैं. मुख्यमंत्री की तस्वीर पर कैप्शन के रूप में मुकदमा हटाए अंकित है और योगी आदित्यनाथ के खिलाफ हटाए गए आईपीसी की धाराओं का वर्णन है.

बंगाल चुनाव से पहले ममता को एक और झटका

विधायक देवश्री रॉय ने दिया इस्तीफा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को एक और झटका लगा है। टीएमसी की विधायक देवश्री रॉय ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। मालूम हो कि पिछले कुछ महीनों से लगातार तृणमूल के विधायक, सांसद समेत कई नेता पार्टी छोड़ रहे हैं। पिछले साल दिसंबर में ममता बनर्जी के काफी करीबी रहे शुभेंदु अधिकारी ने भी टीएमसी छोड़कर बीजेपी ज्वाइन कर ली थी, जिसे दीदी के लिए बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा था। बीते दिनों तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और पूर्व रेल मंत्री दिनेश त्रिवेदी ने बजट सत्र के दौरान इस्तीफा दे दिया था। दिनेश त्रिवेदी ने इस्तीफे का ऐलान करते हुए कहा था कि राज्य में हिंसा और भ्रष्टाचार का जैसा माहौल है, उसमें उनका दम घुट रहा है और वह कुछ बोलने की स्थिति में नहीं हैं। ऐसे में मैंने राज्यसभा सदस्य के तौर पर इस्तीफा देने का फैसला लिया है। इसके बाद, उन्होंने बीजेपी का दामन थाम लिया। बीजेपी में शामिल होने को स्वर्णिम पल बताते हुए दिनेश त्रिवेदी ने कहा कि बीजेपी जनता के परिवार जैसी है।

व्हीलचेयर पर रैली में पहुंचीं सीएम ममता बनर्जी बोलीं-

चोट के दर्द से ज्यादा जरूरी है फर्ज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी सोमवार को पुरुलिया जिले के बाघमुंडी इलाके में रैली को संबोधित करने के लिए व्हीलचेयर पर पहुंचीं। ममता बनर्जी ने इस दौरान खुद को घायल होने का जिक्र करते हुए कहा कि मुझे चोट लगी, लेकिन सौभाग्य से बच गई। ममता बनर्जी ने कहा कि मुझे चोट लगी, लेकिन फिर भी निकलने पड़ा। इसकी वजह यह है कि मेरे दर्द से ज्यादा दर्द राज्य के लोगों का है। मैं उन्हें छोड़ नहीं सकती। आदिवासी बहुल इलाके पुरुलिया के लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि एक दौर में यहां काफी आतंक था, जिस

पर लगाम कसी गई है। यही नहीं उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने आदिवासियों के हित में कानून बनाए हैं। सीएम ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि गैस, तेल के दामों में इजाफा कर दिया गया है। इस तरह उज्ज्वला योजना अंधेरा योजना में तब्दील हो गई है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से विपक्ष की आवाज को कुचलने का काम किया जा रहा है और उन्हें पश्चिम बंगाल में जवाब मिलेगा। ममता बनर्जी ने अपनी चोट का जिक्र करते हुए कहा कि बहुत से लोगों को लगता था कि मैं बाहर नहीं आऊंगी। ममता बनर्जी ने कहा कि यदि तृणमूल कांग्रेस की सरकार बनी रहेगी को आपको मुफ्त राशन मिलता रहेगा।

500 पर पहुंच गया बीजिंग का एयर क्वालिटी इंडक्स

बीजिंग का अधिकारिक एयर क्वालिटी इंडक्स रेतीले तूफान की वजह से 500 के स्तर पर पहुंच गया। कुछ जिलों में पीएम10 के रूप में पहचाने जाने वाले पार्टिकल्स 2,000 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तक पहुंच गए। हालांकि, चीन के मौसम विभाग ने इस बात की जानकारी दी थी। मौसम विभाग प्रशासन ने सोमवार सुबह एक पीले अलर्ट की घोषणा करते हुए कहा कि यह सैंडस्टॉर्म इनर मंगोलिया से गांसु, शांक्सी और हेबै के प्रांतों में फैल जाएंगे।

सुबह-सुबह अचानक पीला पड़ गया चीन का यह शहर, कोरोना काल में किसने दी दस्तक?

बीजिंग। सालभर से कोरोना वायरस की वजह से आफत झेल रहे चीन को सोमवार को एक नए तरह के हमले का सामना करना पड़ा। चीन की राजधानी बीजिंग में सुबह-सबह ही पूरा आसमान पीला पड़ गया। जिधर भी लोगों की नजरें जा रही थीं, सबकुछ पीला ही नजर आ रहा था। दरअसल, बीजिंग में आज सुबह रेतीले तूफान ने दस्तक दी थी, जिसकी वजह से हर जगह धूल भरी आंधी ही नजर आ रही थी। इसके अलावा, चीन के पड़ोसी देश मंगोलिया में भी रेतीला तूफान आया था। इसकी चपेट में आने की वजह से छह लोगों की मौत हो गई और 80 लोग लापता हो गए। चीन की राजधानी बीजिंग में आए तूफान का सीधा असर फ्लाइट्स पर पड़ा। रेतीले तूफान की वजह से 400 फ्लाइट्स को कैंसिल कर दिया गया। यह इस दशक का सबसे भयंकर तूफान बताया जा रहा है। राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि रेत और धूल के कारण उत्तर-पश्चिम में शिनजियांग से लेकर उत्तर-पूर्व में हेइलोंगजियांग और तियानजिन के पूर्वी तटीय बंदरगाह शहर तक 12 प्रांत और क्षेत्र प्रभावित होंगे।

एनकाउंटर में

जैश-ए-मोहम्मद का टॉप कमांडर सज्जाद अफगानी ढेर

> जम्मू और कश्मीर में सुरक्षाबलों को एक बड़ी कामयाबी मिली है. सुरक्षाबलों ने शोपियां के रावलपोरा में हुए एनकाउंटर में जैश-ए-मोहम्मद के कमांडर सज्जाद अफगानी को ढेर कर दिया.

नई दिल्ली। जम्मू और कश्मीर में सुरक्षाबलों को एक बड़ी कामयाबी मिली है. सुरक्षाबलों ने शोपियां के रावलपोरा में हुए एनकाउंटर में जैश-ए-मोहम्मद के कमांडर सज्जाद अफगानी को ढेर कर दिया. बता दें कि शोपियां में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच 13 मार्च को एनकाउंटर शुरू हुआ था. सोमवार सुबह एनकाउंटर एक बार फिर शुरू हो गया, जिसमें सुरक्षाबलों ने सज्जाद अफगानी को ढेर कर दिया. सुरक्षाबलों ने सज्जाद के अलावा जैश-ए-मोहम्मद के एक अन्य आंतकी को भी मार गिराया है. कश्मीर के आईजीपी ने इस बड़ी कामयाबी पर एनकाउंटर में शामिल शोपियां पुलिस और जवानों को बधाई दी है. एनकाउंटर के बाद सुरक्षाबलों ने आतंकियों के पास से एक एके 47 और अमेरिका में बनी रू4 राइफल भी बरामद की है.

पुलिस ने बताया कि सज्जाद बीते काफी समय से आतंकी गतिविधियों में शामिल था और भारत में दहशत फैलाने की फिराक में था. वह काफी समय से आतंकवाद में नए लड़कों की भर्ती में भी शामिल था. निश्चित रूप से सज्जाद का एनकाउंटर सुरक्षाबलों के लिए एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर देखी जा रही है. बताते चलें कि सुरक्षाबलों ने शनिवार को ही जम्मू के डोडा जिले से फिरदौस अहमद नाटू नाम के एक आतंकी को गिरफ्तार किया था. फिरदौस ने पूछताछ में एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि उसे डोडा जिले में कुछ चुनिंदा राजनीतिक नेताओं को निशाना बनाने का टारगेट दिया गया था. डोडा में नेताओं को मौत के घाट उतारकर आतंकी चेनाब वैली में सनसनी फैलाना चाहते थे. इसके साथ ही वे ये भी दिखाना चाहते थे कि डोडा जिले में आतंकवाद ने एक बार फिर अपनी जड़ें पसार ली हैं. पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक ये पहला मौका है जब आतंकी फिरदौस से मिले हथियारों में साइलेंसर भी बरामद हुआ है. साइलेंसर का इस्तेमाल अमूमन टारगेट किलिंग को लेकर किया जाता है.

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज चैनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ/रिपोर्टर

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यों के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है

सम्पर्क करें

जी.एस. प्लाजा सूर्य मंदिर रोड गोले का मंदिर, ग्वालियर मध्यप्रदेश

फोन: 0751-4901403

मो. 7879637585, 8770253710

Website-www.pushpanjalitoday.com

Email.- pushpanjalitoday@gmail.com

दैनिक
पुष्पांजली टुडे

एक नजर...

उपभोक्ता की संप्रभुता जागरूकता से ही संभवः रमाकांत

केशब पंडित जीअम्बाह...

अम्बाह... स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग के अन्तर्गत संचालित आर्थिक परिषद के तत्वाधान में विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता की आसंदी से बोलते हुए एडवोकेट रमाकांत शर्मा ने कहा कि उपभोक्ता बाजार का राजा है परंतु यह तभी संभव है जब उपभोक्ता को अपने अधिकारों का ज्ञान हो। साथ ही उन्होने नये उपभोक्ता अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों को सरल भाषा में विद्यार्थियो को समझाया। इस अवसर पर बोलते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर शिवराज सिंह तोमर ने कहा की अपने अधिकारों की रक्षा के लिए उपभोक्ता को सरकार द्वारा प्रदत अधिकारों का ज्ञान होना आवश्यक है। कार्यक्रम का विषय प्रवर्तन करते हुए अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉक्टर कमल भारद्वाज ने कहा यह आंदोलन अमेरिका के राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी की प्रेरणा से प्रारंभ हुआ जिन्होंने 15 मार्च 1962 को अमरीकी कांग्रेस को एक संदेश भेजा था जिसमें उपभोक्ता अधिकारों के संबंध में चर्चा थी। उसके पश्चात वर्ष 1983 से कंज्यूमर्स इंटरनेशनल द्वारा प्रति बर्ष 15 मार्च को यह दिवस मनाया जा रहा है। वर्ष 2021 के लिए टैकल प्लास्टिक पॉल्यूशन की थीम रखी गई है। जिसमें प्लास्टिक उत्पादों के प्रतिस्थापन, पुनर्विचार, मना करना, कम करना, पुन-उपयोग, रीसायकल तथा मरम्मत को सम्मिलित किया गया है ताकि विश्व को प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण से मुक्त किया जा सके। इस अबसर पर महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं द्वारा पोस्टर के माध्यम से उपभोक्ता जागरूकता के विविध पहलूओं का प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ मनोज कुमार शर्मा द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम के आयोजन में कुमारी अलका शर्मा, कुमारी उमा बघेल, रा.से.यो. कार्यक्रम अधिकारी श्री डीके शर्मा, कुमारी नेहा श्रीवास्तव तथा श्रीमती रक्षाबंधन रक्षा कम्ठान का विशेष सहयोग रहा।

गोहद में पेयजल संकट को लेकर माकपा का घेरा : डालो डेरा डालो आंदोलन

महेंद्र शर्मा रिपोर्टर

गोहद। ओमप्रकाश बाथम सचिन माकपा जिला समिति भिंड से प्राप्त जानकारी के अनुसार गोहद में भीषण गर्मी में व्याप्त पेयजल संकट को लेकर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने गोहद के गोलम्बर तिराहे पर आज सोमवार से घेरा डालो डेरा डालो आंदोलन शुरू कर दिया है पूर्व से घोषित कार्यक्रम के मुताबिक आज सोमवार 15 मार्च से सैकड़ों मार्क्सवादी कौन पार्टी के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी माकपा जिला सचिव ओमप्रकाश बाथम पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष गुड्डी बाई माहौर पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष प्रेम नारायण और माकपा जिला सचिव मंडल सदस्य राजेश शर्मा वीरेंद्र कुशवाहा की अगुवाई में गोहद बांध में नहर द्वारा छोड़ने की मांग को लेकर माकपा ने एकत्रित आंदोलन शुरू कर दिया है इस मौके पर उपस्थित आंदोलनकारियों को माकपा जिला सचिव ओमप्रकाश बाथम पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष प्रेम नारायण माहौर माकपा जिला सचिव मंडल सदस्य वीरेंद्र कुशवाहा राजेश शर्मा माकपा जिला समिति सदस्य भूपेंद्र सिंह गुर्जर एवं नारायण शर्मा ने संबोधित कर पेयजल संकट के लिए कांग्रेस भाजपा को बराबरी से दोषी ठहराया है एवं वक्ताओं ने कहा कि एक दूसरे पर आरोप लगाकर भाजपा-कांग्रेस नूरा कुश्ती का खेल खेल रही है और वैसली वांध मेंनहर के माध्यम से पानी आना चाहिए इसके लिए कोई गंभीर प्रयास नहीं किए जा रहे हैं यह आरोप माकपा नेताओं ने आंदोलनकारियों को संबोधित करते हुए लगाया है उन्होंने कहा यह आंदोलन अभी दो दिन के लिए शुरू किया गया है अगर निदान नहीं किया गया तो इस आंदोलन को तेज किया जावेगा माकपा ने खराब हैंडपंपों को ठीक कर ने इसके लिए दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने जब तक नहर से वैशाली बांध में पानी नहीं आता है अब तक वैकल्पिक व्यवस्था पेयजल आपूर्ति के लिए की जाना चाहिए इस बिंदु को लेकर माकपा मंगलवार को गोहद एसडीएम को ज्ञापन प्रस्तुत करेगी घेरा डालो डेरा डालो आंदोलन स्थल पर खाना पकाया गया वही उपस्थित आंदोलनकारियों ने खाना खाया इस मौके पर माकपा जिला समिति सदस्य मुन्ना लाल कुशवाहा शोभा माहौर के अलावा गंगा प्रसाद माहौर त्रिवेणी कुशवाहा रणवीर कुशवाह हरिशंकर माहौर रवि राठौर शिवनारायण कौशल कमल सिंह कुशवाह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

लहार क्षेत्र में भाजपा नेता अशोक चौधरी का जनसम्पर्क लगातार जारी

दबोह(अर्पित गुप्ता)। जन-जन की बातों को सुनकर क्षेत्र के सारे दोषो का निवारण कर दूँगा यह बात लहार विधानसभा के वरिष्ठ भाजपा नेता अशोक चौधरी ने जनसंपर्क के दौरान कही जानकारी के लिए बता दे कि श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया जी के करीबी माने जाने बाले लहार विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता ने आज फिर विधानसभा क्षेत्र कई ग्रामो में जनसंपर्क किया जिसमे उन्होंने रायपुरा,जाखौली,धौरका,छान,पीपरी,कुँअरपुरा एवं दबोह का दौरा किया इस बीच अशोक चौधरी ने ग्रामवासियों व आम लोगो के बीच बैठकर उनकी समस्याओं को सुनकर उनका निराकरण करने का आश्वासन दिया वही शौक संतृप्त परिवारो के बीच पहुँच कर शौक संवेदना भी व्यक्त की इस बीच उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि जनता की सेवा करने को मै अपना सौभाग्य समझता हूँ आप सभी लोग मुझे अपनी सेवा का अवसर जरूर दे क्योंकि आप लोगो की समस्याओं के बारे में जब तक मुझे जानकारी नही होंगी तो मै आपकी समस्याओं को दूर कैसे करूँगा इसीलिए आप लोगो से निवेदन की आप लोग बेझिझक हो कर मुझे अपनी समस्याओ से अवगत कराएं मै आपकी समस्या को खत्म करने में अपनी पूरी जी जान लगा दूँगा और उस समस्या को खत्म कर करके ही मानूंगा वही चौधरी ने कहा कि आप लोग मुझे पहले अपनी सेवा एवं विकास के कार्यो के बारे में बताओ क्षेत्र में प्रगति शील विकास कार्यो में बन रही किसी भी प्रकार के बाधा एवं समस्या के बारे में बताओ मेरे द्वारा आपके उस कार्य को पूरा करने का हर सम्भव प्रयास किया जायेगा जब आपका कार्य पूर्ण हो जाये तब जा कर आप लोग मुझ पर विश्वास करना ततपश्चात श्री चौधरी दबोह गहोई धर्मशाला पहुँच कर सिंधिया फैन्स क्लब के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक में शामिल हुये एवं फैन्स क्लब के कार्यकर्ताओ को विभिन्न कार्यो के लिए निर्देशित किया इस मौके पर उनके साथ सिंधिया फैन्स क्लब के जिलाध्यक्ष विजय भारद्वाज रामलखन कुरचानीया,सुरेंद्र शर्मा,परमाल गुर्जर,शिवम चतुर्वेदी बेलमा,शिवम लम्बरदार आरूसी आदि लोग मौजूद रहे।

जन-जन की बात सुनकर क्षेत्र के सारे दोष मिटा दूँगाः अशोक चौधरी

मोनू उपाध्याय बने मप्र पत्रकार संघ के नगर अध्यक्ष

राजनैतिक दल, समाजसेवी व पत्रकारों ने दी शुभकामनाएं

लहार(अर्पित गुप्ता).मध्यप्रदेश पत्रकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेन्द्र माथुर,प्रदेश उपाध्यक्ष गुणाकेश पाराशर एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रदेश अध्यक्ष राज दुबे भिंड,ज़िला अध्यक्ष सौरभ शर्मा की अनुशंसा पर संघ के संस्थापक महासचिव राजेश शर्मा ने शुभम मोनू उपाध्याय जी की सक्रियता को देखते हुए उन्हें मध्यप्रदेश पत्रकार संघ का लहार नगर अध्यक्ष नियुक्त किया है।

यहां बता दें कि मोनू उपाध्याय पूर्व में न्यूज 24 न्यूज,राजएक्सप्रेस आदि कई संस्थानो में अपनी सेवाएं दे चुके हैं और भी हाल में वह समाजसेवी संस्थान पुष्पांजली जनकल्याण फाउंडेशन में प्रदेश उपाध्यक्ष कर रूप में जिम्मेदारी का निर्वाहन कर रहे हैं व वहीं पत्रकारिता के क्षेत्र में दैनिक सत्ता सुधार व नवप्रभात में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।मध्यप्रदेश पत्रकार संघ में उन्हें बतौर नगर अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने पर उन्होंने वरिष्ठ नेतृत्व,शुभचिंतको व मित्रो का आभार व्यक्त किया है।उन्होंने कहा कि संगठन ने भरोसा जताते हुए उन्हें इतनी बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है जिसे वह बखूबी निभाएंगे और जल्द ही मध्यप्रदेश पत्रकार संघ की कार्यकारिणी का गठन करेंगे जिससे संगठन को मजबूती मिल सके। इस दौरान उन्हें बधाई देने वालो में भिंड रमाशंकर शर्मा, हेमन्त शर्मा आज तक, नवीन शर्मा, गुणाकेश पाराशर, परिनिधेश भारद्वाज, एन के भटेले, अनिल चौधरी, प्रदीप चौधरी, गिर्राज बौहरे,शुभम जैन,विपिन भारद्वाज,आशुतोष राजौरिया,मनीष ऋषिवर,असवार रविकांत त्यागी,गोहद देवेंद्र जैन,ऊमरी राघवेंद्र जी,मिहोना नीरज शर्मा,पंकज शर्मा,पवन शुक्ला,दबोह अर्पित गुप्ता,मोहित गोस्वामी,दिलीप नायक,रविन्द्र शर्मा,कुंजबिहारी कौरव,हरिश्चंद्र पाण्डेय,पंकज शर्मा,राजाभैया पाल, सुधांशु मुदगल,अजय त्रिपाठी,चिराग गुप्ता, आलमपुर उत्तम चौधरी,उदयराज चौहान,मयंक त्रिपाठी,रोबिन अग्रवाल,अजीज पठान,संजीव चौधरी,लहार राजू त्रिपाठी,नितिन त्रिपाठी,बिबेक दुबे,विवेक पांडेय,राजू मुडोतिया,संजीव चौधरी,उत्तम चौधरी,देवानंद नायक,रावतपुरा महेन्द्र त्रिपाठी आदि पत्रकार के साथ साथ कई राजनैतिक दल के नेता व समाजसेवी शामिल है।

श्रीराम औषधालय का मंडल अध्यक्ष ने किया शुभारंभ

गोरमी। नगर के कचनार रोड पर स्थित श्रीराम औषधालय का भव्य शुभारंभ भाजपा मंडल अध्यक्ष सुभाष थापक ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर किया इस अवसर पर औषधालय के संचालक डॉ एस के शर्मा बृज किशोर शर्मा अरविंद जैन कुलदीप राजोरिया आदि लोग उपस्थित थे।

लाडोरतन मल्टीस्पेसिलिटी हॉस्पिटल में मधुमेह रिवर्सल शिविर हुआ सम्पन्न, कुल 70 मरीजों का हुआ परीक्षण

इन्सुलिन रेसिस्टेन्स है मधुमेह का मुख्य कारण, नियमित व्यायाम और उचित खानपान से रिवर्सल सम्भवः डॉ हेमंत जैन

दतिया- आज के इस भागदौड़ वाले जीवन में , गलत खानपान से प्रेम और व्यायाम से दूरी बढ़ती जा रही है। इससे शरीर में ही नहीं शरीर के अंगों के आसपास भी चर्बी का जमाव हो जाता है, जिसके कारण इन्सुलिन नामक हार्मोन को रक्त शर्करा का पाचन करने में परेशानी आने लगती है जिसे इन्सुलिन रैजिस्टैंस कहते हैं, के कारण रक्त शर्करा का स्तर बढ़ने लगता है और नियंत्रण में नहीं आता है, और व्यक्ति टाइप 2 डायबिटीज , यानी मधुमेह का शिकार हो जाता है। इसी मधुमेह नामक बीमारी के लिए लाडो रतन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा , एक मधुमेह रिवर्सल शिविर का आयोजन लाडो रतन मल्टीस्पेसिलिटी हॉस्पिटल में किया गया, जिसमें करीब 70 मरीजों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया, इस शिविर में लगभग 90 प्रतिशत मरीजों का रक्त ग्लूकोस लेवल अनियंत्रित मिला। मरीजों को बताया गया कि इसके लिए गलत खानपान और आरामदायक जीवन शैली मुख्यतः जिम्मेदार है, और आपको इन चीजों पर नियंत्रण करना है।साथ ही साथ मरीजों को बताया गया कि नई दवाओं से नियंत्रण सम्भव है। इस शिविर में ग्वालियर से आये डॉ मुकेश गुप्ता जो कि डायबिटीज रिवर्सल क्लिनिक के संचालक हैं, ने मरीजों को निशुल्क परामर्श दिया, इस दौरान डॉ हेमंत कुमार जैन भी उपस्थित रहे और मरीजों को हर संभव मदद देने का आश्वाशन दिया। डॉ हेमंत जैन ने मरीजों को बताया कि मधुमेह पर विजय सही खानपान और नियमित व्यायाम से संभव है ।शिविर के दौरान रक्तचाप , रक्त शर्करा और एचबीए1सी की जांच निशुल्क की गई। लाडो रतन मल्टीस्पेसिलिटी हॉस्पिटल के संचालक रोहित अग्रवाल (रामू) ने कहा कि आगे भी निशुल्क परामर्श शिविर दतिया की जनता के लिए आयोजित कराए जाते रहेंगे।

कलेक्टर ने की सार्वजनिक वितरण प्र्रणाली की समीक्षा

(उ.मू.दुकान पुर, नहारा, भदाकुर के विरूद्व कार्यवाही के निर्देश)

पंकज त्रिपाठी दैनिक पुष्पांजली टुडे भिण्ड। कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने प्रशासक/ प्रबंधक/सैल्समेनों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में जिले की सभी उ0मू0 दुकानों के सार्वजनिक वितरण प्रणाली की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने समीक्षा के दौरान भिण्ड/अटेर अनुभाग की उ0मू0 दुकान पुर के सैल्समेन को हटाने तथा उ0मू0 दुकान नहरा भदाकुर के सैल्समेन द्वारा दुकान संचालन में असमर्थता व्यक्त करने के कारण सार्वजनिक वितरण प्रणाली के कार्य से पृथक करने के आदेश अनुविभागीय अधिकारी भिण्ड दिए। उन्होंने उ0मू0 दुकान खरिका, बलारपुरा, प्रतापपुरा पर सैल्समेनों की उचित व्यवस्था करने हेतु एवं समिति का चार्ज हस्तांतरण करने हेतु उपायुक्त सहकारिता एवं महाप्रबंधक, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक को निर्देशित किया।कलेक्टर ने गोहद अनुभाग की समीक्षा के दौरान बताया गया कि ईटायली, घमूरी, प्रियंका उपभोक्ता भण्डार गोहद के विक्रेताओं को सामग्री के बिल प्राप्त नहीं होने से सामग्री रिसीव नहीं की जा सकी। इस संबंध में जिला प्रबंधक, नागरिक आपूर्ति निगम को दो दिवस में स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिये। साथ ही उपायुक्त सहकारिता भिण्ड द्वारा आगामी निर्णय लिया जावे। कलेक्टर ने लहार अनुभाग की समीक्षा के दौरान अम्हा दुकान का भौतिक सत्यापन कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी लहार द्वारा तत्काल करने के निर्देश दिये। इसीप्रकार मेहगांव अनुभाग की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया कि मानहड एवं गुतौर उ0मू0 दुकान का भौतिक सत्यापन कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी मेहगांव द्वारा किया जाए। बैठक में बताया गया कि मेहगांव के विक्रेताओं द्वारा केवल दुकान पर बाजरा ही आपूर्ति निगम द्वारा पहुचाया है इस संबंध में जिला प्रबंधक, नागरिक आपूर्ति निगम तीन दिवस में जानकारी उपलब्ध करावें कि बाजरा ही क्यों भेजा गया है। कलेक्टर ने उ0मू0 दुकान इंगोसा रायपुरा की मशीन खराब होने के संबंध में गलत जानकारी देने के कारण लिंकवेल कम्पनी के तकनीकी सहायक एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी मेहगांव का तीन दिन का वेतन काटने के निर्देश दिये। बैठक में उ0मू0 दुकानों पर वितरण हेतु भेजी गयी सामग्री की प्राप्ति पीओएस मशीन में दर्ज नहीं करने के कारण सभी अनुभागों की 51 दुकानों को कारण बताओ नोटिस जारी करने हेतु सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को निर्देशित किया गया। कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक अनुभाग में दो अच्छा वितरण करने वाली दुकानें व दो कम वितरण करने वाली दुकानें की जानकारी तैयार करें और कमेठी बनाकर सामग्री प्राप्त न करने वाले उपभोक्ताओं की समीक्षा करायी जावे। आगामी समीक्षा बैठक में उ0मू0 दुकानों पर वितरण शत-प्रतिशत किया जावे अन्यथा कम वितरण करने वाली दुकानों के विरूद्ध कडी कार्यवाही की जावेगी।

कलेक्टर श्री बी. कार्तिकेयन ने कहा है कि समर्थन मूल्य पर चना और सरसों की फसलों का उपार्जन अब 22मार्च कलेक्टर श्री बी. कार्तिकेयन ने कहा है कि समर्थन मूल्य पर चना और सरसों की फसलों का उपार्जन अब 22मार्च से होगा। उन्होंने बताया कि पहले इसका उपार्जन 15 मार्च से करने का निर्णय लिया गया था। वर्तमान मौसम की स्थिति को देखते हुए 15 मार्च के स्थान पर 22 मार्च से खरीदी का निर्णय लिया गया है।

वरिष्ठ पत्रकार ने लगवाया कोरोना टीका

दबोह(अर्पित गुप्ता)। शासन के आदेशानुसार दबोह नगर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर शनिवार से रोजाना कोरोना टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है,कोरोना महामारी से बचाव हेतु 45 वर्ष से 60 वर्ष तक के व्यक्तियों को टीका लगाया गया इस दौरान आज दिनांक 15 मार्च सोमवार 2021 नगर रक्षा समिति के पूर्व जिला कैप्टन एवं दबोह नगर के वरिष्ठ पत्रकार डॉ.रमेशचंद्र चंसौलिया को कोरोना का टीका लगाया गया।इस मौके पर उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी से बचाव हेतु शासन ने कोरोना वैक्सीन बनाकर बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल की है हमे जागरूक होकर टीकाकरण कराना चाहिए बैक्सीन इंफेक्शन पर अफवाहों पर ध्यान न दे,सुरक्षा की दृष्टि हेतु माक्स,सेन्टाइजर,दो गज की दूरी बनाये रखे।डॉ.निशान्त यादव मेडिकल ऑफिसर ने बताया प्राथमिक स्वास्थ्य अस्पताल में कोरोना टीका लगना शुरू हो गया है जो 60 वर्ष से अधिक उम्र बाले लोगों को कोरोना टीका लगाये जा रहे है।जो 45 वर्ष के ऊपर है अगर खांसी बुखार या कोई बीमारी से ग्रस्त हो तो उनको भी लगाई जा रही है आप सभी ज्यादा से ज्यादा संख्या में हॉस्पिटल में आकर कोरोना टीका अवश्य लगवाये,टीका लगबाने बाले लोग आधार कार्ड लेकर एवं अपना मोबाइल नम्बर,मास्क,सेन्टाइजर लेकर अस्पताल जायें।

अर्पित गुप्ता बने मप्र पत्रकार संघ के नगर अध्यक्ष

राजनैतिक दल, समाजसेवी व पत्रकारों ने दी शुभकामनाएं

पुष्पांजली टुडे

भोपाल / मप्र में पत्रकारिता के क्षेत्र में चमकते चेहरे अर्पित गुप्ता बने मप्र पत्रकार संघ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के दबोह नगर अध्यक्ष।मध्यप्रदेश पत्रकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेन्द्र माथुर,प्रदेश उपाध्यक्ष गुणाकेश पाराशर एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रदेश अध्यक्ष राज दुबे भिंड,ज़िला अध्यक्ष सौरभ शर्मा की अनुशंसा पर संघ के संस्थापक महासचिव राजेश शर्मा ने अर्पित गुप्ता जी की सक्रियता को देखते हुए उन्हें मध्यप्रदेश पत्रकार संघ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का दबोह नगर अध्यक्ष नियुक्त किया है।यहां बता दें कि अर्पित गुप्ता ने बहुत ही कम समय मे पत्रकारिता व समाजसेवा के क्षेत्र में अपनी एक अलग ही पहचान बनाई है जिसके चलते उन्हें लगातार पदोन्नती व नए संस्थानों में जगह मिलती रही है।यहां बता दें कि वर्तमान में अर्पित गुप्ता जी समाचार के क्षेत्र में पुष्पांजली टुडे(दैनिक समाचार पत्र,ऑनलाइन न्यूज़ चैनल,वेब पोर्टल,मासिक पत्रिका)में लगातार 4 वर्ष से अपनी सेवाएं दे रहे हैं इसी के साथ वह 3 वर्ष से स्वराज एक्सप्रेस चैनल में भी अपनी सेबायें दे रहे हैं।साथ ही यहां बता दें कि अर्पित गुप्ता जी ने वर्ष 2014 में मीडिया जगत में कदम रखा था जिस दौरान वह भास्कर न्यूज,दैनिक उदगार,दैनिक इंडिया आज कल,चम्बल की तस्वीर आदि कई संस्थानो में अपनी सेवाएं दे

चुके हैं।पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके कार्य को देखते हुए उन्हें भारत के कई राज्यो में सम्मानित भी किया जा चुका है।मध्यप्रदेश पत्रकार संघ में उन्हें बतौर नगर अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने पर उन्होंने वरिष्ठ नेतृत्व,शुभचिंतको व मित्रो का आभार व्यक्त किया है।उन्होंने कहा कि संगठन ने भरोसा जताते हुए उन्हें इतनी बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है जिसे वह बखूबी निभाएंगे और जल्द ही मध्यप्रदेश पत्रकार संघ की कार्यकारिणी का गठन करेंगे जिससे संगठन को मजबूती मिल सके।इस दौरान उन्हें बधाई देने वालो में महिमा एक्सप्रेस सम्पादक अभिषेक शिवहरे,श्री राम एक्सप्रेस सम्पादक हरीश उपाध्याय,नवनीत एक्सप्रेस सम्पादक महेंद्र तिवारी,संसद मत सम्पादक हेमन्त गुप्ता,रतनगढ़ टाइम्स प्रतीक दुर्बार,वीनस टुडे सम्पादक वरुण गुप्ता,ग्वालियर की शान सम्पादक मृगनेंद्र सिंह,संघर्ष न्यूज़ सम्पादक राजेन्द्र झा,सन्दीप शुक्ला,भिंड रमाशंकर शर्मा,हेमन्त शर्मा आज तक,नवीन शर्मा,गुणाकेश पाराशर,परिनिधेश भारद्वाज,एन के भटेले,अनिल चौधरी,प्रदीप चौधरी,गिर्राज बौहरे,शुभम जैन,विपिन भारद्वाज,आशुतोष राजौरिया,मनीष ऋषिवर,असवार रविकांत त्यागी,गोहद देवेंद्र जैन,ऊमरी राघवेंद्र जी,मिहोना नीरज शर्मा,पंकज शर्मा,पवन शुक्ला,दबोह मोहित गोस्वामी,दिलीप नायक,रविन्द्र शर्मा,कुंजबिहारी कौरव,हरिश्चंद्र पाण्डेय,पंकज शर्मा,राजाभैया पाल,सुधांशु मुदगल,अजय त्रिपाठी,चिराग गुप्ता,आलमपुर उत्तम चौधरी, उदयराज चौहान,मयंक त्रिपाठी,रोबिन अग्रवाल,अजीज पठान,संजीव चौधरी,लहार राजू त्रिपाठी,मोनू उपाध्याय,नितिन त्रिपाठी, बिबेक दुबे, विवेक पांडेय, राजू मुडोतिया, संजीव चौधरी, उत्तम चौधरी,देवानंद नायक, रावतपुरा महेन्द्र त्रिपाठी, सेंवढ़ा रहीम मलिक, दतिया संदीप प्रधान, मुरैना पुष्पेंद्र तोमर, अम्बाह केशव पण्डित जी, इंदरगढ़ सुनील खरे, समथर यशपाल सिंह, करैरा संजय गुप्ता बिलैया, शिवपुरी मयंक खत्री, रामस्वरूप रजक, सुनील रजक, गुना चन्द्रप्रकाश मांझी आदि पत्रकार के साथ साथ कई राजनैतिक दल के नेता एवम अर्पित गुप्ता मित्र मंडल शामिल है।

ग्राम धायपुरा के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को भेजे प्रार्थना पत्र

मऊरानीपुर। ग्राम धायपुरा स्थित आंगनवाडी केंद्रों की वर्षो से रंगाई पुताई न होने एवं टूटे पड़े खिड़की दरवाजों को जिम्मेदारों द्वारा अभी तक ठीक नही कराए जाने से ग्रामीणों ने डीएम के नाम ज्ञापन भेजकर दोनों केंद्रों का कायाकल्प कराए जाने की मांग की है। मऊरानीपुर विकास खंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम धायपुरा के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को भेजे प्रार्थना पत्र में बताया गया कि ग्राम पंचायत में दो आंगनबाड़ी केंद्रों का निमार्ण वर्ष 2015-16 में कराया गया था। लेकिन जब से लेकर अब तक इन केंद्रों की रंगाई पुताई के संबंध में किसी भी प्रकार का कोई कार्य जिम्मेदारों द्वारा नही कराया गया जिसके भवन बेरंग हो गया है। साथ में खिड़की, दरवाजे क्षतिग्रस्त हो जाने से बच्चों को पढ़ाई में, पोषाहार वितरण, गर्भवती एवं धाती महिलाओं को परेशानियों का सामना करना पड़ता है साथ ही आंगनवाड़ी केंद्रों में अभी तक विद्युतीकरण नही हुआ है। मीना देवी, भानप्रताप यादव, मूलचंद सैन, बशीर खां, अखिलेश गुप्ता, व आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने आंगनवाड़ी केंद्रों का कायाकल्प कराए जाने की मांग की है। मऊरानीपुर । ग्राम पंचायत हरपुरा की महिलाएं पेयजल की किल्लत से जूझते हुए खेतों की बोरिंगों से पानी भरने के लिए लाइट आते ही दौड़ पड़ती है जिससे आपाधापी के चलते कई बार झगड़ा भी हो जाता है। मऊरानीपुर विकासखंड क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत हरपुरा, पंचमपुरा की महिलाओं का कहना है कि पीने के पानी की किल्लत वर्षो से चली आ रही है। जिससे पुरुष बैलगाड़ी में ड्रम रखकर तथा महिलाएं खेतों की बोरिंग से पीने का पानी ला रही है। जिसमें कई बार आपाधापी के चलते आपस में झगड़ा भी हो जाता है सबसे ज्यादा पानी की समस्या कुशवाहा मोहल्ला वासियों को हो रही है। जिससे ग्रामीणों ने विकास खंड अधिकारी से टेकंर को चालू कराकर जलापूर्ति कराए जाने की मांग की है। मऊरानीपुर । मऊरानीपुर भूमि संरक्षण अधिकारी विपिन कुमार ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान बताया कि किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए शासन व विभाग द्वारा अनेक प्रकार की योजनाएं संचालित की जा रही है। जिसमें बड़ी जोत वाले किसान को भैस, बकरी डेरी पालन व बागवानी में अनुदान, एक एकड़ के किसान को मुर्गा पालन, ड्रिप सिंचाई, खेत, तालाब आदि योजनाएं अनुदान पर संचालित है। जिसके लिए किसान सीधे कार्यालय समय में आकर संपर्क कर सकता है। क्षेत्र के किसानों को छुट्टा अन्ना मवेशियों की बजह से दिन-रात बोई गई रबी फसलों की रखवाली करनी पड़ रही है। और जिन ग्राम पंचायतों में अभी तक अस्थाई गौशालाएं नही बन सकी है वहां के किसान खेतों में झोपड़ी बनाकर रहने को मजबूर है। मऊरानीपुर विकास खंड क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम खिलारा के किसानों का कहना है कि अभी तक ग्राम पंचायत में अस्थाई गौशाला का निर्माण नहीं होने से छुट्टा घूम रहे अन्ना मवेशी रबी की फसलों को नुकसान पहुंचा रहे है जिससे किसान खासे परेशान है। ग्रामीणों ने खंड विकास खंड अधिकारी से खिलारा गांव में सरकारी गौशाला बनबाये जाने की मांग की है।

इंदौर में कोविड-19 टीकाकरण अभियान में हुआ सुविधाओं का विस्तार

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ
दैनिक पुष्पांजली टुडे

इंदौर । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ प्रवीण जड़िया द्वारा बताया गया है कि कोविड-19 टीकाकरण की गति तीव्र करने एवं सुविधाओं का विस्तार करने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा सोमवार, 15 मार्च से शहरी एवं ग्रामीण शासकीय स्वास्थ्य संस्था में टीकाकरण की निशुल्क सुविधा प्रारंभ की जाएंगी।इसमें स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं एवं फ्रंटलाइन वर्कर को द्वितीय डोज तथा 60 वर्ष और अधिक आयु के व्यक्तियों एवं 49 से 59 वर्ष के गंभीर बीमारियों से ग्रस्त व्यक्तियों का भी टीकाकरण किया जाएगा।

(शहरी क्षेत्र में निम्नलिखित संस्थाओं पर टीकाकरण किया जायेगा)

संजीवनी गांधी नगर, मूसाखेड़ी, जूना रिसाला निपानिया ,लसूडिया मोरी ,बापट चौराहा ,शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र , बड़ी ग्वालटोली बाबू मुराई ,सुदामा नगर ,राजेंद्रनगर भमोरी, खजराना ,एमोजी लाइन ,सिविल डिस्पेंसरी भवर कुआं ,जूनी इंदौर अरण्य, मांगीलाल चुरिया सामुदायिक स्वास्थ केंद्र, बाणगंगा ,मल्हारगंज सिविल अस्पताल पीसी सेठी, हुकमचंद पॉलीक्लिनिक, एमजीएम मेडिकल कॉलेज ,मेडिकल कॉलेज न्यूज़ चेस्ट वार्ड नंबर 1 वार्ड नंबर 2, बीमा अस्पताल ,शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिचोली तथा गवर्नमेंट हॉस्पिटल महू। इसी तरह ग्रामीण क्षेत्र में भी टीकाकरण की सुविधाओं का विस्तार करते हुए अब यह सुविधा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर ,प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हसलपुर ,गवली,पलासिया ,कोदरिया ,भगोरा, हरसोला सिमरोल , हातोद ,पिवडाय, तिल्लौर खुर्द ,कपेल ,राऊ, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देपालपुर गौतमपुरा , अट्टा हेडा धन्नड़, बेटमा ,सांवेर चंद्रावतीगंज पालिया ,शिप्रा कुडाना स्थित स्वास्थ्य संस्थाओं में कोविड-19 टीकाकरण की सुविधाएं निशुल्क मिलेंगी।

जायद के रूप में मूंग फसल लेने की सलाह

भोपाल। उप संचालक कृषि भोपाल ने बताया कि जायद फसलों का रकबा बढाने हेतु तथा किसानों को कम समय में अधिक मुनाफा प्राप्त करने के लिये गेहूँ फसल की कटाई के बाद या अन्तवर्तीय फसल के रूप में बोने के लिये मूंग की वैरायटी स्वाती उपलब्ध कराई जा रही है। यह किस्म 60 से 70 दिन में पककर तैयार हो जाती है। किसानों को सलाह दी गई है कि मूंग बोने के पूर्व खेत की तैयारी कर एक एकड़ के लिये एक बैग यूरिया, चार बैग सुपर फास्फेट एवं एक बैग पोटाश बीज बोने के पूर्व उपयोग करें। बुवाई पूर्व बीजोपचार दो ग्राम थायरम व एक ग्राम कार्बेन्डाजिम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से जरूर करे तथा बाद में बीज को राइजोबियम कल्चर एवं पीएसबी कल्चर की पांच ग्राम मात्रा से एक किलो बीज को उपचार कर बोये। एक एकड क्षेत्र के लिये 8 से 10 किलो बीज की मात्रा बोये।

यूथ एवं इको क्लब के तहत शैक्षिक एवं प्रर्यावरण भ्रमण किया

प्रेस नारायणलाल सैणचा बैगलोर

कन्टालिया। कन्टालिया निकटवर्ती राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय थल में यूथ एवं इको क्लब के तहत शैक्षिक एवं प्रर्यावरण भ्रमण पहाड़ी क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के प्रवासी पक्षियों तथा रावली टाटगढ़ अभ्यारण्य क्षेत्र में पाये जाने वाले विभिन्न वन सम्पदा की जानकारी दी। पर्वत की चोटी पर दौड़ करवाई गई। स्थानीय विद्यालय के शारिरीक शिक्षक मदनलाल चौहान, नैनाराम चौधरी, सन्तोष अरोड़ा, जवान सिंह, चम्पालाल के नेतृत्व में कक्षा 6 से 8 तक के समस्त विद्यार्थियों को भ्रमण हेतु लिया गया, तथा अल्पाहार करवाकर पहाड़ी दौड़ में प्रथम व द्वितीय आने वाले विजेता को पुरस्कार वितरित किया गया।

जनता की पुकार सुने सरकार, पाली की बेटी जयवंता देवी को मान दिया जाए

रानी पाली नेनाराम सिरवी। राजस्थान के पाली जिले के लिए गौरव की बात है कि महाराणा प्रताप जैसे शूरवीर को जन्म देने वाली मां हमारे पाली जिले की निवासी थी। शूरवीर महाराणा प्रताप की जननी जयवंता का जन्म गोडवाड की मरुधरा धरती पाली में हुआ। पाली जिले के लिए सबसे गौरव की बात है कि ऐसे शूरवीर योद्धा की मां की जन्मभूमि पाली हैं। मेडिकल कॉलेज का नाम पाली की वीर बेटी जयवंता देवी के नाम किया जाता है। तो यह सभी शहर वासी एवं जिले वासियों के लिए के लिए सम्मान की बात होगी। पाली जिले के जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों द्वारा अपनी आवाज उठा कर सरकार के समक्ष रखी जाए ।और जनता की आवाज को उचित मान

दिला कर मेडिकल कॉलेज का नाम जयवंता देवी किया जाए। पाली जिले में मेडिकल कॉलेज का नाम जयवंता देवी रखने पर कई जनप्रतिनिधियों की आवाज मुखर हुई।

इनकी आवाज हुई मुखर- पाली की जनता की मांग है कि मेडिकल कॉलेज का नाम आ करण जयवंता देवी के नाम से हो।जनमानस की भावनाओं का ध्यान रखते हुए मुख्यमंत्री को इसका नाम जयवंता देवी के नाम से करना चाहिए

आदिवासी क्षेत्र में ढुंढ महोत्सव पर लोहे का घड़ा व पेटी पर प्रतिबंध जरुरी: गरासिया

पाली। बाली विधानसभा क्षेत्र के आदिवासी बाहुल्य गांव अरडवा मे सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश गरासिया ने युवाओ की बैठक लेकर

समाज मे फैल रही कुरीतियो पर प्रतिबंध कैसे लगाया जाए उस पर विस्तार से चर्चा की गई ।बैठक मे युवाओ ने निर्णय लिया की होली पर्व को देखते हुए ढुंढ महोत्सव पर गरासिया समाज के लोग लोहे का घडा व पेटी तथा मादल ले जाते है यह पुरखो के विरुध्द है क्योकी पुर्वजो के समय ऐसा नही था समाज के युवाओ ने इसे कुरीति बताते हुए इस पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया गया है। अगर कोई अवहेलना करता पाया जाता है तो उस पर समाज कारवाई करेगा।तथा पुलिस प्रशासन का भी समाज मदद लेगा। नाना थाना पुलिस अधिकारी को ज्ञापन भेज कर अवगत करवाया जाऐगा की गरासिया समाज के लोग घडा व पेटी ले जाते दिखाई दे तो उनका सामान जब्त कर कानुनी कारवाई करावे। और भी अहम मुध्दो पर चर्चा की जिसमे बालविवाह, काजलिया प्रथा, चोर, डकैती पर विचार विमर्श करते हुए समाज मे सुधार लाने को लेकर संघर्ष जारी रहेगा बैठक मे समाज सेवक मुकेश गरासिया, नेहरू युवा संगठन के उपाध्यक्ष सुभाष भाई , पप्पु भाई, मंगल भाई,मनिष भाई, दिता भाई मौजुद रहे।

डेंगू-लार्वा और मलेरिया का सर्वे जारी

1158 घरों का सर्वे-लार्वा को टेमोफॉस डाल कर नष्ट किया गया, जिले में 1124 लोगों की मलेरिया जांच की गई

भोपाल। शहर के विभिन्न क्षेत्रों, अति संवेदनशील क्षेत्रों, स्लम एरिया और अन्य बस्तियों में डेंगू लार्वा, मलेरिया, रैपिड टेस्ट, ब्लड स्लाइड कलेक्शन और कोरोना से बचाव की जानकारी आदि का कार्य व्यापक स्तर पर किया जा रहा है। जिला मलेरिया अधिकारी श्री अखिलेश दुबे ने बताया कि मलेरिया की रोकथाम के लिए विभिन्न क्षेत्रों में दल नियुक्त कर अभियान चलाया जा रहा है। भोपाल जिले में 1124 लोगों की रेपिड टेस्ट से मलेरिया की जाँच की गई। जिनमें भोपाल शहर में 886 और बैरसिया में 153 से अधिक लोगों की मलेरिया जांच के लिए नमूने लिए गए। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में डेंगू के लार्वा के लिए 32 टीमों का दल नियुक्त किया गया है जिनके द्वारा 1158 घरों का सर्वे कर किया गया और 39 घरों में लार्वा पाया गया। अलग अलग जगहों पर 9 हजार से अधिक बर्तनों में लार्वा सर्वे किया गया, जिसमें केवल 29 बर्तनों में लार्वा पाया गया। डेंगू के लार्वा को टेमोफॉस डाल कर नष्ट किया गया।

पटेल आजणा समाज रुपावास भव्य जल जीवन कलश शोभायात्रा निकाली गई

रानी पाली नेनाराम सीरवी। निकटवर्ती ग्राम रुपावास पटेल आंजणा समाज द्वारा सोमवार को भव्य जल जीवन कलश शोभायात्रा निकाली गई। भामाशाह पुखराज मालवी व मालवी परिवार के द्वारा मां गंगा माई संत श्री राजेश्वर भगवान के नाम भव्य जल जीवन शोभा यात्रा आजणी माता आश्रम श्री पदमाराम महाराज एवं पंडित सत्यनारायण जोशी के सानिध्य में पटेल आंजना समाज के शुभ अवसर पर ग्राम वासी महिलाओं व कन्याओं ने सोलह श्रृंगार कर विभिन्न मार्ग से होकर तालाब के किनारे जाकर विधि विधान से पूजा अर्चना करके अमृत जल कलश भरकर अपने सिर पर रखकर धूपबत्ती जोत के साथ पुष्प वर्षा रंग बिरंगी गुलाल उड़ाते हुए ढोल नगाड़े गाजे-बाजे जय जयकारों के साथ होते हुए मालवी पटेल भवन पहुंचकर भव्य जल जीवन कलश यात्रा समापन किया गया। इस

दौरान मालवीपरिवार द्वारा प्रसादी का आयोजन किया गया जिसमें भक्त जनों ने प्रसादी ग्रहण की और कोविड-19 के चलते संपूर्ण देशवासियों के प्रति खुशहाल जीवन की कामनाएं की। इस मौके पर भामाशाह पुखराज भंवर लाल कानाराम जलाराम ओमाराम मांगीलाल मानाराम मालवी पूर्व जिला परिषद सदस्य श्री देवी पटेल पूर्व जिला परिषद सदस्य अमराराम समाजसेवी हरि भाई पटेल पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष पायल पटेल बुधाराम भीमाराम बाबूलाल हरिराम मंगलाराम सोलंकी नारायण सुधार आदि सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

फंदा अस्पताल में 182 व्यक्तियों को वैक्सीनेशन किया गया

भोपाल। भोपाल जिले में कोरोना टीकाकरण कार्यक्रम जिला कलेक्टर श्री अविनाश लवानिया के निर्देशन में लगातार जारी है। ग्रामीण क्षेत्रों में पीएससी फंदा में एक दिन में सबसे ज्यादा 182 लोगों का टीकाकरण किया गया। इस अवसर पर फार्मासिस्ट श्री मनीष मेहरा,स्टाफ नर्स हर्लता, श्री दुर्गेश पटेरिया एवं श्री मनीषा शर्मा एवं ज्योति डेनियल एएनएम श्री प्रमोद पटेरिया एवं सुश्री मीना शुक्ला खजूरी सड़क के द्वारा सहयोग किया गया। जिससे शिविर में आने वाले हितग्राहियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई तथा पेयजल की व्यवस्था की गई। संस्था में पदस्थ स्त्री रोग विशेषज्ञ श्रीमती सीमा अग्रवाल द्वारा महिला मरीजों का परीक्षण किया गया। श्री प्रमोद मेवाड़ा, कंप्यूटर ऑपरेटर द्वारा कोड बैंक का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन तथा हितग्राहियों का वेरिफिकेशन किया गया। ड्यूटी पर कार्यरत कर्मचारियों को भोजन वितरण पैकेट्स एनजीओ के कोषाध्यक्ष श्री प्रदीप मान द्वारा किया गया। क्षेत्र की आशा सहयोगी ममता नगर तथा सुश्री सुषमा वर्मा सहित समस्त आशाओं द्वारा हितग्राहियों को अस्पताल तक लाया गया।

अवैध कालोनाइजर्स पर कार्यवाही

एफआईआर वाले मामलों में एक माह में कार्यवाही करें: संभागायुक्त श्री कियावत

भोपाल। अवैध कालोनियों पर विगत दिवस चलाए गए अभियान के दौरान भोपाल नगर निगम एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 293 केस चिन्हित किए गए हैं। इनमें से 165 प्रकरणों में एफआईआर की गई है। इस संबंध में सोमवार को ली गई समीक्षा बैठक में संभागायुक्त श्री कवीन्द्र कियावत ने निर्देश दिए कि एफआईआर वाले प्रकरणों में एक माह के अंदर कार्यवाही सुनिश्चित करें। बैठक में एडीजीपी श्री ए सांई मनोहर, कलेक्टर श्री अविनाश लवानिया, डीआईजी श्री इरशाद वली, एसपी साउथ श्री सांई कृष्णा, आयुक्त नगर निगम, भोपाल श्री के.व्ही.एस चौधरी कोलसानी, सभी एडीएम, एसडीएम, तहसीलदार, नगर निगम इंजीनियर सहित अन्य अधिकारी श्री कियावत ने निर्देश दिए हैं कि अवैध कालोनियों पर कार्यवाही के लिए संबंधित क्षेत्र के थाना प्रभारी एवं नगर निगम के उप यंत्री मिलकर इन्वेस्टीगेशन करेंगे। इस जांच में नगर निगम कमिश्नर अथवा कलेक्टर से कालोनाइजर लायसेंस, टीएनसीपी की अनुमति, कालोनी के विकास की अनुमति, मौका पंचनामा, कृषि भूमि के केस में डायवर्सन आदि की कार्यवाही होने पर ही वैध कालोनी मानी जाएगी। संभागायुक्त श्री कियावत ने कहा कि अभी अभी डेव्लप होने वाली अवैध कालोनियों पर सख्ती से रोक लगाई जाए। ऐसी कालोनियों के अवैध निर्माण को तत्काल तोड़ा जाए ताकि आम नागरिक धोखे का शिकार नहीं हो पाएं। नागरिक ऐसी कालोनियों में अपने जीवनभर की खून पसीने की कमाई लगाकर भी कालोनी की सभी सुविधाओं का लाभ नहीं ले पाता और अवैध कालोनाइजर्स धोखा देकर फरार हो जाता है।

कलेक्टर श्री लवानिया ने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी अवैध कालोनियों को चिन्हांकित कर अतिशीघ्र कार्यवाही की जाए। शहरों की अपेक्षा गांव की अवैध कालोनियों के उपभोक्ता ज्यादा परेशान होते हैं। इन प्रकरणों में जमीन का मालिक कोई और जमीन विक्रेता कोई और होता है तथा कालोनी डेवलपर कोई और होता है। एक ही प्लाट कई लोगों को बेच दिए जाते हैं। इसे सख्ती से रोका जाना चाहिए। श्री कियावत ने कहा कि अवैध कालोनी निर्माण में शासन के साथ साथ जनता का भी खासा नपुकसान होता है। शासन को राजस्व के नुकसान के साथ ही कालोनी की व्यवस्थित सुविधा से नागरिक वंचित रहता है। शासन प्रशासन की मजबूरी यह हो जाती है कि अवैध कालोनी में सुव्यवस्थित सुविधाएं मुहैया नहीं कराई जा सकती। डीआईजी श्री इरशाद वली ने एसपी, सीएसपी एवं थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि अवैध कालोनी से संबंधित कार्यवाही में उपयंत्रियों की यथासंभव मदद करें तथा अवैध कालोनाइजर्स के विरूद्ध दर्ज एफआईआर में एक माह के अंदर कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

सम्पादकीय

क्या गरीबों पर खर्च घट जाएगा

कोविड-19 जैसा कोई दूसरा संकट नहीं और जैसी आशंका थी, इसने केंद्र सरकार के पूरे अंकगणित पर कहर बरपा दिया है। गिरते कर राजस्व और खर्च के बढ़ते दबाव से सरकार की जद्दोजहद साफ दिख रही है। इसलिए दो सवाल हैं, जो इस बार के बजट से पूछे जाने की जरूरत है। एक, महामारी के कारण हुई भारी आर्थिक क्षति का मुकाबला करने के लिए सरकार ने अपनी व्यापक-राजकोषीय स्थिति को किस तरह फिर से खड़ा करने का प्रयास किया और कोविड-19 के कारण बिगड़े आर्थिक संकट के जवाब में उसने जो नीतियां अपनाईं, उनके बारे में यह बजट क्या कहता है? दूसरा, अर्थव्यवस्था को फिर से सेहतमंद बनाने के लिए 2021-22 का बजट कैसी नीतिगत राह दिखाता है? वित्त वर्ष 2020-21 में लॉकडाउन से पैदा आर्थिक ठहराव के कारण राजस्व में गिरावट अपेक्षित थी, जबकि खर्च का दबाव बढ़ता चला गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बधाई देनी चाहिए कि वित्तीय वर्ष 2025-26 तक राजकोषीय घाटे को युक्तिसंगत बनाने की राह तैयार करते हुए उन्होंने इस घाटे के आंकड़ों को साफगोई से सबके सामने रखा है। एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि खाद्य सब्सिडी के लिए ऑफ-बजट कर्ज (ऐसा कर्ज, जो सरकार खुद न लेकर किसी सरकारी संस्था को लेने के लिए कहती है। ये कर्ज सरकार के खर्च को पूरा करने में मदद करते हैं) की परंपरा को भी उन्होंने तोड़ा है। हालांकि, आंकड़ों पर गौर करें, तो तस्वीर कहीं अधिक जटिल जान पड़ती है। पहली वजह, कर राजस्व बेशक लुढ़क गया, लेकिन केंद्र की आमदनी पर वास्तविक चोट विनिवेश में गिरावट और बही-खाता में 'ऑफ-बजट खर्च' (ऐसा खर्च, जिसकी चर्चा आम बजट में न हो) की आमद के कारण पड़ी है। दूसरा कारण, व्यय में बढ़ोतरी मूलत- खाद्य एवं खाद सब्सिडी (करीब 80 फीसदी) के कारण हुई है, जबकि 3.88 फीसदी वृद्धि की वजह स्वास्थ्य खर्च है। तीसरी वजह, करों के राजस्व-पुल में राज्यों की हिस्सेदारी 32 फीसदी के बजटीय अनुमान से घटकर 28.9 फीसदी (संशोधित अनुमान 2020-21) हो गई है। सरकार ने इस धारणा पर भरोसा किया है कि विनिवेश से होने वाली आय से खर्च संबंधी जरूरतों को वह पूरा कर लेगी। अच्छें वक्त में यह बुरी अर्थनीति मानी जाती है, मगर महामारी के समय में यह गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकती है। सरकार पूंजी-प्रवाह को बढ़ाने के लिए यदि खर्च बढ़ाने या करों में कटौती जैसे बजटीय प्रावधानों से परहेज करती है, तो यह राजकोषीय कुप्रबंधन का नतीजा है, न कि कोविड-19 से मिले आर्थिक झटकों का। इस बार के बजट में विनिवेश पर जोर दिया गया है, जो स्वागतयोग्य तो है, पर यह खासा जोखिम भरा भी है। इन लक्ष्यों को पाने के लिए वित्त वर्ष 2021-22 में सरकार को बिना देरी मजबूत प्रतिबद्धता दिखानी पड़ेगी। दूसरा, वित्त वर्ष 2020-21 में खर्च में बढ़ोतरी सब्सिडी और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के माध्यम से जरूरी राहत देने तक सीमित थी। कुल मिलाकर, वित्त वर्ष 2021 में व्यय का जीडीपी बजट अनुमान 13.53 से बढ़कर 14.4 प्रतिशत हो गया। हालांकि, अर्थव्यवस्था ज्यादा सिमटी है और खर्चों में कम बढ़ोतरी हुई है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इस वित्त वर्ष में केंद्र प्रायोजित योजनाओं का खर्च बढ़ा है। मनरेगा जैसी कुछ ही योजनाओं में सरकार ने खर्च बढ़ाया है, जबकि दूसरी अनेक योजनाओं का खर्च घटा है।

देर रात तक ऑनलाइन रहकर क्या औरतें भी कुछ हटके कर रही है

बेशक मोबाइल जैसे छोटे से मशीन ने हमारे कई काम आसान कर दिए पर जैसे हर चीज़ के दो पहलू होते है सही और गलत, वैसे ही इस खिलौने का भी कायदे से इस्तेमाल करो तो फ़ायदे है पर अगर बहक गए तो बेड़ा गर्द है। इस मशीन के भीतर क्या-क्या कांड पनपते रहते है ये भी सब जानते ही होंगे। ये सोश्यल मीडिया जितना उपयोगी है उतना खतरनाक भी है। आज ज़्यादातर 40/50 साल की औरतें सबसे ज़्यादा मोबाइल का उपयोग करती है। चलो समझ सकते है समय बिताने के लिए मोबाइल का उपयोग कोई बुरी बात नहीं, पर किसीने सोचा है कुछ औरतें देर रात तक ऑनलाइन रहकर मोबाइल में करती क्या हैं?

फेसबुक ग्रुप में जोक्स शेयर करना, सेल्फी पोस्ट करना, नई रेसिपी सीखना या फिर गाने सुनना या फ़िल्म देखना ? जी नहीं साहब इस छोटे से खिलौने ने सीमा लाँघ ली है, आज अधिकतर महिलाएं भी मोबाइल में वही करती हैं, जो अधिकतर पुरुष करते हैं। गंदे काम ÷सेक्स चैट÷ यहाँ बात महिलाओं को बदनाम करने की नहीं क्यूँकि महिलाओं को बहकाने वालों की यहाँ कमी नहीं। फेंक एकाउंट बनाकर पहले महिलाओं के मैसेंजर पर हाई-हैलो करते है, फिर तारिफ़ों के पुल बाँधकर मीठी-मीठी बातों से फुसलाते है। जो महिला ऐसे साज़िश खोरों को नहीं जानती वो उनकी बातों को सच मानकर जाल में फंस जाती है, प्यार के नाम पर रोमियो जैसे लड़के औरतों को लपेट लेते है। फिर सेक्स चीज़ ही ऐसी आकर्षक है की महिलाएं सामने भले ही ऐसी बातें करने से हिचकिचाती हों, लेकिन मोबाइल स्क्रीन के पीछे 60 प्रतिशत भारतीय औरतें सेक्स चैट और अश्लील जोक्स शेयर करने की शौकीन होती हैं।

आखि़र क्यूँ? वैसे देखा जाए तो हमारे देश में सेक्स नाम सुनते ही सबकी आँखें चौड़ी हो जाती है, इसलिए जब महिलाएं सेक्स और उससे जुड़ी बातें खुलकर करती है तो उसे अश्लील करार दिया जाता है। चरित्रहीन और बदचलन करार दिया जाता है। अपनी यौन इच्छाओं को खुलकर अपने पार्टनर को बताने में आज भी भारतीय महिलाएं शर्माती हैं। यही हिचक उन्हें सेक्स चैट यानी सेक्सिटंग करने के लिए उकसाती है। मोबाइल टेक्नॉलजी ने ही यह काम महिलाओं के लिए आसान बना दिया है। वे अपने लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप को सेक्स चैट्स और पॉर्न विडियोज़ के जरिए कायम रखती है। अपने पार्टनर के साथ सेक्स के बारे में चैट करना, डिजिटल डिवाइस से उन्हें अंतरंग फोटो-विडियो भेजना, सेक्स्टिंग कहलाता है। अंतरंग अंगों और क्षणों को प्रदर्शित करते वक्त महिलाओं को सोचना चाहिए अगर सामने वाला आपकी तस्वीरों का दुरुपयोग करता है तो क्या इज्जत रह जाएगी। आखि़र महिलाओं को ऐसा करने की ज़रूरत क्यों पड़ती है ? इसपर मानसिक स्वास्थ्य और उससे जुड़ी परेशानियों पर मेंटल हेल्थ एक्सपर्ट प्रकृति पोद्दार अपने रिसर्च में कहती हैं कि हमारे यहाँ खुलकर सेक्स से जुड़े मामलों पर बात नहीं होती, जबकि यह बेहद अहम हिस्सा है। यह ज़रूरी है कि इसपर महिलाओं और पुरुषों के बीच पॉजिटिव तरीके से चर्चा हो। लोग जब अपनी सेक्सुएलटी को लेकर खुलकर बात करते हैं, तो वे अपने लिए बेहतर, स्वस्थ और खुशहाल जीवन की शुरुआत करते हैं। सब चाहते तो है कि स्कूलों में सेक्स एजुकेशन बेहद जरूरी है पर जहाँ बड़े ही इस बात पर खुलकर अपने विचार नहीं रख सकते वहाँ बच्चों को क्या सिखाएंगे। ज़ाहिर सी बात है जिस बात को खुलकर नहीं बोल सकते उसके लिए उत्सुकता बढ़ जाती है। वैसे ज़िंदगी को इस तरह सुखद बनाने की पहल करने वालों में महिलाएं अब पीछे नहीं हैं। हाल में 191 देशों की लगभग 1.3 लाख महिलाओं पर किए गए शोध में पाया गया कि दुनियाभर में 21 प्रतिशत महिलाएं डेटिंग या दोस्त बनाने के लिए स्मार्टफोन ऐप्स का इस्तेमाल कर रही हैं। दिलचस्प बात यह कि भारत में ऐसा करने वाली महिलाओं का आंकड़ा करीब 19 फ़ीसदी है। इनमें से 62 प्रतिशत सेक्स्टिंग में दिलचस्पी दिखाती हैं। हैरानी होती है ना महिलाओं में सेक्सटिंग को लेकर बढ़ती दिलचस्पी की बात जानकर। इसकी वजह समझाते हुए प्रकृति कहती हैं, 'देश की ज़्यादातर महिलाएं सेक्स के बारे में बात करने से कतराती हैं क्योंकि उन्होंने अपने आसपास यही देखा है कि इस तरह की बातों पर चुप्पी बनाई रखी जानी चाहिए स्मार्टफोन के ज़रिए ऐसी बातें करना उनके लिए आसान है और सेफ भी। तमाम ऐप्स पूरी सेफ्टी के साथ ऐसी सुविधाएं देते हैं कि महिलाएं सेक्सटिंग कर सकें। जबकि ये मानसिकता और आदत बहुत ही गलत है, कई बार हम साइबर क्राइम के ऐसे किस्से सुनते है जिसमें महिला को फंसा कर ब्लेकमेइल भी करते है। औरतें फेसबुकीया प्यार को सच समझ लेती है और अपनी न्यूड़ तस्वीरें भी ऐसे आवारा लड़कों के साथ शेयर करके फंस जाती है। सोश्यल मीडिया पर जहाँ दोस्त भी सच्चे नहीं होते वहाँ प्यार क्या खा़क़ होगा। सिर्फ़ महिलाओं के तन के प्यासे और सेक्स के भूखे भेड़िये बैठे है। महिलाओं को अपने चारित्र और परिवार की इज्जत की परवाह करनी चाहिए नांकि ऐसे मवालियों की बातों में आकर अपनी इज्जत निलाम करते मोबाइल का दुरुपयोग करना चाहिए।

(भावना ठाकर, बेंगुलूरु)स्रभावु

पुस्तक समीक्षा

आपके प्रतिष्ठित समाचार पत्र एवं पत्रिका में प्रकाशन हेतु एक पुस्तक की समीक्षा भेज रही हूँ, यदि इस समीक्षा को आप स्थान देंगे तो आपकी आभारी रहूंगी। सविनय निवेदन है कि यह भी अवगत कराएँ कि प्रकाशन की जानकारी कैसे मिलेगी ।

मां की ममता का दस्तावेज है 'स्मृतियां'–बेगूसराय बिहार के राजीव रंजन शर्मा द्वारा रचित काव्य संग्रह 'स्मृतियां' उनकी मां की ममता एवं उनकी यादों का एक सुंदर दस्तावेज है। प्रखर गूँज प्रकाशन द्वारा प्रकाशित इस संग्रह में 52 कविताएं हैं। अधिकाँश कविताएं मातृत्व भाव से परिपूर्ण है। कुछ कविताएं प्रकृति का भी मानवीकरण करते हुए उसकी शून्यता एवं सुंदरता का वर्णन करती हैं। राजीव रंजन शर्मा उर्फ राम दरबारी जी ने प्रथम कविता 'मां तेरी याद' में अपनी माता से जुड़ी स्मृतियों का जीवंत चित्रण किया है।

'पवन देव से कितनी मिन्नतें मैंने की,
क्या दिखाई पड़ी मेरी मां की कांति ?
पर कहां पता बताते मेरे मां की,
ना लाते चरण रज ही मेरे मां की।'

कहते हैं कि जब तक मां है तब तक आप बाल्यावस्था में ही होते हैं, मगर यहाँ सभी बालकों की भांति कवि पवन देव से आग्रह कर रहा है कि मेरे मां की चरण धूलि ही ला दो जिससे मैं मां को महसूस कर सकूं। 'अजन्मा' कविता में कवि जीवन की विसंगतियों से घबराकर भ्रूण अवस्था में ही अपनी माता के गर्भ में रहना चाहता है। अथवा राम या कृष्ण बनकर धरती पर
दुष्टों का संहार करने की कामना करते हुए कहता है।

'त्राहिमाम व पीड़ित लोग यहाँ
तब फरिश्ता बन आना चाहता हूँ।'

'नाराज बदरी' कविता में कवि प्रकृति को नारी रूप में देखते हुए उसे एक जिद्दी दुल्हन कहता है। जो सबको अनजान समझकर वहां बरसना नहीं चाह रही, जबकि धरती अमृतधारा के बगैर निश्प्राण पड़ी हुई है। कवि बादल के बारिश की कल्पना करके गदगद हुआ जा रहा है।

'कानों में मधुर आवाज आई गुनगुनाते भंवरों की तरह,
उच्छृंखल मन नाच उठा पानी के छटपटाहट की तरह।'

गंगाजल आज दूषित हो चुका है। यह जल कभी मानव जीवन के लिए अमृत तुल्य था परंतु अब विष बन चुका है, तभी तो कवि अपनी कविता 'अपमानित गंगा' में यह कह रहा है कि गंगा तो अपमानित होते होते थक चुकी है। जिस गंगा में डुबकी लगाकर देवता भी पाप से मुक्ति पा जाते थे आज इस कलयुग में पतित पावनी गंगा स्वयं ही मैली हो चुकी है।

'तभी तो देवों ने भी की है तेरी स्तुति
लगा डुबकी पा जाते पाप मुक्ति।'

इसके अतिरिक्त 'मेरा गांव', 'गांव का अंगना', 'भारतीय किसान' इत्यादि कविताएं भारत के ग्रामीण जीवन शैली का वर्णन करती हैं। गांव से जुड़ी कवि की यादें और किसानों के दुख दर्द अवश्य ही पाठकों को व्यथित करेंगे। 'श्रद्धांजलि', 'सैनिकों की शहादत', 'देश प्रेम', 'जंग-ए-ऐलान' इत्यादि कविताएं सरहद पर खड़े जवानों की देष के प्रति सच्ची भक्ति और आम जनता को अपना फर्ज याद दिलाती हैं। कवि कहता है।

'काफी देर हो चुकी है अब तुम तनिक जाग भी जाओ,
जिस मिट्टी में जन्म लिया है उसका कर्ज तो चुकाओ।'

कुछ ऐसे ही ओजपूर्ण विचारधारा से लबरेज यह संग्रह पाठकों को अवश्य पसंद आएगा। शब्द सहज एवं सरल हैं जिसके भाव आसानी से आपके मन को छू लेंगें। कुछ कविताओं में प्रकृति एवं जीवन से जुड़ी संवेदनाओं की भी व्याख्या की गई है। व्यक्ति जब दुखी होता है तो उसे चारों ओर गहरा अंधेरा और नीरवता दिखाई देने लगती हैं मगर प्रकृति की मनोरम छँटा उसका मन मोड़ देती है और वह रम जाता है पंछियों के मनोविनोद में तो कभी बादलों के बदलते आकार में और अपना गम भी भूल जाना चाहता है। कवि यह सोचता है।

'उस अनंत को पा लेना है मुझे,
उस अनंत को छू लेना है मुझे।'

अंततः मैं यही कहना चाहूंगी कि यह कविता संग्रह आपको भी अपनी स्मृतियों से मिलने के लिए बेसब्र कर देगा।

आरती प्रियदर्शिनी

चिंतन

शादी जिंदगी का हिस्सा है, जिंदगी नहीं

डॉ विधि चौधरी

एक सुहावनी सुबह चाय की चुसकियों के साथ मैंने अपना फोन चेक किया। आयशा का आखिरी वीडियो देखने को मिला। चेहरे पर हंसी और दिल में दर्द लिए जिंदादिल 23 साल की आयशा ने सबको हंसते-हंसते अलविदा कह दिया। उसने दहेज प्रताड़ना से तंग आकर साबरमती नदी में कूदकर जान दे दी थी। आयशा के दिल झकझोरने वाले वीडियो ने लोगों को भावुक कर दिया था लेकिन अच्छी सीरत की वह खूबसूरत लड़की अपने पति आरिफ खान के दिल को ना बदल सकी। काश मैं आयशा को बता पाती कि अल्लाह ने उसे बहुत सारी खूबियों से नवाजा था लेकिन वह जिंदगी के केवल एक ही पहलू को समझ पाई थी।

शादी जिंदगी से बढ़कर कैसे हो सकती है यह समझ पाना मेरे लिए मुश्किल हो रहा था। थोड़ी ही देर में सोशल मीडिया पर लोगों की प्रतिक्रिया का ढेर लग गया। कुछ लोगों ने दुख और आक्रोश प्रकट किया तो कुछ ने आयशा को ही भावुक और कायर बताकर गलत ठहरा दिया।

आयशा की गलती यह थी कि उसने शादी जैसे रिश्ते में दिल का इस्तेमाल किया जो धोखा खाने के बाद गहरी पीड़ा और वेदना से भरा था। मुझे डर है कि प्यार और कोमलता का प्रतीक माने जाने वाली नारी को हम एक दिन इतना कठोर ना बना दे कि आने वाले समय में यह गुण उनमें ढूंढने से भी ना मिले। आयशा का यह कठोर कदम केवल आयशा ही नहीं उसके माता-पिता, परिवार और संपूर्ण समाज की मजबूरी का परिचायक है। हम अपनी बेटियों को यह समझाने में क्यों असमर्थ है कि शादी जिंदगी का एक हिस्सा हो सकता है, सब कुछ नहीं । शादी को चलाने का दायित्व केवल लड़की के कंधों पर नहीं होता। यह एक आपसी समझौता है जिसको लड़का और लड़की दोनों को ही समझदारी से निभाना होता है। आयशा की आत्महत्या कहीं ना कहीं समाज की संकीर्ण सोच का परिणाम है। समाज भी हम ही लोगों से मिलकर बना है। अगर हम सभी लोग अपने घर की लड़कियों को मानसिक और भावनात्मक रुप से मजबूत बनाएं, तो शायद किसी बदलाव की उम्मीद है। क्योंकि कानून का डर तो दहेज लोभी लोगों की मानसिकता को बदलने में असमर्थ है । इसका अंदाजा रोज होने वाली घटनाओं से लगाया जा सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में प्रतिदिन दहेज उत्पीड़न के परिणाम स्वरूप 20 औरतों की मौत होती है, या तो उनकी हत्या की जाती है या आत्महत्या करने के लिए मजबूर किया जाता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आधुनिक दौर में भी दहेज जैसी महामारी से मुक्ति पाने में असमर्थता हमारी असफलता को दर्शाती है । हम सभी को इससे सबक लेते हुए एकजुट होकर इसका विरोध करना चाहिए। शिक्षा कुछ हद तक इस समस्या से निजात पाने में मददगार है, लेकिन दहेज प्रताड़ित शिक्षित लड़कियों की बढ़ती संख्या इस कोढ रूपी बीमारी की गहनता को दर्शाती है। शादी में परेशानी होने पर लड़की का आवाज उठाना शर्म की बात नहीं होनी चाहिए। बल्कि समाज को इन दहेज प्रताड़ित लड़कियों को मानसिक मजबूती देनी चाहिए जिससे हम ना केवल दहेज जैसी कुप्रथा को समाप्त कर सकते हैं बल्कि आयशा जैसी कितनी ही और लड़कियों को एक बेहतर जिंदगी जीने की आशा दे सकते हैं।

शिक्षा के साथ-साथ हम सभी को अपनी मानसिकता में बदलाव लाने की आवश्यकता है। हमें लड़कों की परवरिश पर भी ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। समाज में मान मयार्दा, प्रतिष्ठा का डर लड़की और उसके परिवार के बजाय लोभी लड़के और उसके परिवार को होना चाहिए।

समाज में लड़के और लड़की के लिए प्राथमिकताएं अलग-अलग है। लड़के के लिए पढ़ाई, नौकरी, करियर फिर शादी जबकि लड़की के लिए पहले शादी फिर नौकरी और कैरियर। शादी की जरूरत लड़के और लड़की दोनों को बराबर है। जीवन में लड़की की शादी को सर्वप्राथमिकता देना ही तो कहीं लड़कों की विकृत मानसिकता को ज्यादा मजबूत तो नहीं कर रहा है। हमें बेटियों को मानसिक और भावनात्मक रुप से मजबूत बनाकर और उन्हें शिक्षित करके ऐसी मुसीबतों का सामना करने के लिए सक्षम बनाना चाहिए। समाज में दहेज लोभी लोगों में ऐसे डर पैदा करने की जरूरत है जिसके चलते उनको आत्महत्या जैसा कायरतापूर्ण कदम उठाने के लिए सोचना पड़े।

शादी को चलाने का दायित्व केवल लड़की के कंधों पर नही होता। यह एक आपसी समझौता है जिसको लड़का और लड़की दोनों को ही समझदारी से निभाना होता है। आयशा की आत्महत्या कही ना कही समाज की संकीर्ण सोच का परिणाम है। समाज भी हम ही लोगों से मिलकर बना है। अगर हम सभी लोग अपने घर की लड़कियों को मानसिक और भावनात्मक रुप से मजबूत बनाएं, तो शायद किसी बदलाव की उम्मीद है। क्योंकि कानून का डर तो दहेज लोभी लोगों की मानसिकता को बदलने में असमर्थ है । इसका अंदाजा रोज होने वाली घटनाओं से लगाया जा सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में प्रतिदिन दहेज उत्पीड़न के परिणाम स्वरूप 20 औरतों की मौत होती है, या तो उनकी हत्या की जाती है या आत्महत्या करने के लिए मजबूर किया जाता है।

आयशा के दिल झकझोरने वाले वीडियो ने लोगों को भावुक कर दिया था लेकिन अच्छी सीरत की वह खूबसूरत लड़की अपने पति आरिफ खान के दिल को ना बदल सकी। काश मैं आयशा को बता पाती कि अल्लाह ने उसे बहुत सारी खूबियों से नवाजा था लेकिन वह जिंदगी के केवल एक ही पहलू को समझ पाई थी। शादी जिंदगी से बढ़कर कैसे हो सकती है यह समझ पाना मेरे लिए मुश्किल हो रहा था। थोड़ी ही देर में सोशल मीडिया पर लोगों की प्रतिक्रिया का ढेर लग गया। कुछ लोगों ने दुख और आक्रोश प्रकट किया तो कुछ ने आयशा को ही भावुक और कायर बताकर गलत ठहरा दिया।

ज्ञान गंगा

ऐसे पाएं सूर्य देव का आशीर्वाद...

सनातन धर्म में जहां सूर्य देव को आदि पंच देवों में से एक और कलयुग का एकमात्र दृश्य देवता माना जाता है। वहीं ज्योतिष में सूर्य को ग्रहों का राजा माना गया है। वैदिक ज्योतिष के अनुसार सूर्य को तारों का जनक माना जाता है।

वहीं जन्म कुंडली के अध्ययन में सूर्य की अहम भूमिका होती है। ज्योतिष के अनुसार सूर्य कभी वक्री गति नहीं करते। विभिन्न राशियों में सूर्य की चाल के आधार पर ही हिन्दू पंचांग की गणना संभव है। राशिचक्र में 12 राशियां होती हैं। अतः राशिचक्र को पूरा करने में सूर्य को एक वर्ष लगता है। दरअसल सनातन संस्कृति में सूर्य को महज एक प्रकाश देने का प्राकृतिक स्रोत ही नहीं समझा जाता है, बल्कि इसे देवताओं की श्रेणी में रखा गया है। इसलिए हिन्दू संस्कृति में सदा से सूर्य देव की पूजा का विधान रहा है।

सूर्य न केवल अंधकार का नाशक है, बल्कि इसके प्रकाश में कई ऐसे तत्व भी हैं, जिनसे हमें रोग दोषों से मुक्ति मिलती है। शास्त्रों में सूर्य देव से प्राप्त होने वाली शक्तियों को हमारे धार्मिक ग्रंथों और शास्त्रों में भी विस्तार से बताया गया है। सूर्य के चिकित्सीय और आध्यात्मिक लाभ को पाने के लिए लोग प्रातः उठकर सूर्य नमस्कार करते हैं। हिन्दू पंचांग के अनुसार रविवार का दिन सूर्य ग्रह के लिए समर्पित है जो कि सप्ताह का एक महत्वपूर्ण दिन माना जाता है। सूर्य देव की कृपा पाने के लिए लोग सुबह-सुबह उठकर उन्हें अर्घ्य देते हैं। शास्त्रों में सूर्य के अर्घ्य को काफी महत्वपूर्ण माना गया है। मान्यता के अनुसार ऐसा करने से जहां एक ओर व्यक्ति का समाज में मान-सम्मान भी बढ़ने लगता है। वहीं दूसरी ओर कुंडली में सूर्य से संबंधित दोष दूर होने लगते हैं। लेकिन कई बार लोग अर्घ्य देते हुए ऐसी गलतियां कर जाते हैं जिस वजह से उन्हें इसका फल मिल ही नहीं पाता है। ऐसे में आज हम आपको उन प्रमुख गलतियों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें करने से सूर्य देवता नाराज हो जाते हैं...

सिर्फ जल अर्पित ना करें: जब भी सूर्य देव की पूजा करें तो उन्हें लाल फूल, गुड़हल का फूल और चावल अर्पित जरूर करें और मीठे का भोग लगाएं। खाली जल भूलकर भी सूर्य देव को अर्पित नहीं करना चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से भगवान रुष्ट हो जाते हैं। इसलिए जल के साथ पुष्प या अक्षत जरूर रखें। चाहें तो जल में रोली, चंदन या लाल फूल भी डाल सकते हैं।

पैरों में ना पड़े जल: सूर्य को अर्घ्य लोटे से दें, लेकिन ध्यान रहे कि, जल सीधे आपके पैरों पर ना पड़े। इसका कारण ये माना जाता है कि जो व्यक्ति सूर्य को जल देते हुए अपने पैरों में ही जल डालने लगता है, उसे सूर्य देव का आशीर्वाद नहीं मिलता।

उमस है दिल में

विभा कुमारी नीरजा

थोड़ी उमस है इस दिल में,
बदली-सी छाई नयनों में।
धुआं-धुआं है यादें
गुमशुदा हूं मैं अपने ही कमरे में।
एक खिड़की जरा जो खोली,
जुगनू दिखने लगे रात में।
नींद की आंख मिचौली जारी रही,
मैं करवटें लेती रही रात में।
सपनों कि क्या बिसात,
जो जरा आ जाए ऐसे हालात में।
धड़कने जागती रही,
बस आपके ही इंतजार में।

भीष्म भदौरिया/ सच का आईना

चिकित्सा मंदिरों का माफिया रूप (दलालों के हाथों में) में परिवर्तित होना

हम सभी लोग इस बात को भली भांति जानते हैं कि वास्तविक रूप से 21वीं सदी का उदय हो चुका है और इन्सान शक्ति का पर्याय वन चुका है, किन्तु यथार्थ में हम अंधकार की ओर जा रहे हैं। जिस प्रकार की घटनाएं, दिन प्रतिदिन दिखाई दे रही हैं। वे सभी यह प्रदर्शित कर रही हैं कि आने वाले समय मे सरकार ने और माननीय डीएम साहब ने कोई उचित कदम नहीं उठाए तो जीवन की ये चन्द सांसे चौराहों पर खुले रूप से नीलम होने लगेगी। जिन्हें देखकर मनुष्य जाति सदा- सदा के लिए शर्मसार हो जाएगी, और परमात्मा भी ये सोचने के लिए मजबूर हो जाएगा कि मनुष्य जाति का सृज्जन सकारात्मक कार्यों के लिए किया था ना कि स्वयं के शरीर के हिस्सों को थोड़े से लाभ के लिए बेचने के लिए। अतः जिस तरीके से चिकित्सा मंदिरों की आधारशिला खोखली होती जा रही है। वर्तमान स्थिति देखकर एक चिंतन का विषय हैं। क्या यही आधुनिक युग है? क्या इसी को विकास कहते हैं? क्या यही मानव मानव सभ्यता का सर्वोच्च स्तर है? जहां पर एक व्यक्ति किन्हीं कारणों से अस्वस्थ हो जाता है, तो घर से लेकर अस्पताल तक पहुंचने तक अनेक दलालों के बीच से गुजरना पड़ता है। क्योंकि प्रत्येक अस्पताल ने अपने अपने दलाल नियुक्ति (एम्बुलेंस, मेडिकल, अन्य क्षेत्र में) कर दिए है। जिस का सबसे बड़ा खामियाजा मध्यवर्गीय परिवार एवं गरीब परिवार को भुगतना पड़ता है। किसी भी तरीके से इन अस्पतालों की फीस का तो भुगतान करना ही पड़ता है। चाहे जिसके लिए भारी-भरकम कर्ज या अन्य रास्ते से चुकाना पड़े। लेकिन इन अस्पतालों की सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ता हैं। क्योंकि उनकी तो पूर्ति किसी न किसी तरीके से मरीज को करना ही पड़ती है। उसका सबसे बड़ा कारण जो उबर के आया है, वह कहीं ना कहीं अप्रत्यक्ष रूप से सरकारी अस्पतालों का गिरता हुआ विश्वास, अव्यवस्थित सुविधाएं, आम जनता को नकारा जाना, चिकित्सा माफियाओं एवं उनके दलालों का फैलाव, जिसकी वजह से चिकित्सा माफिया अपने मंसूबों में निरंतर सफल हो रहे हैं। और आम नागरिक की कमर टूटती जा रही है। जिसका समाधान सरकार को अतिशीघ्र निकालना पड़ेगा अन्यथा आने वाला भविष्य पूर्ण रूप से मौत के सौदागर का हो जाएगा। जिसे फिर शायद रोका नहीं जा सकता है। भारतवर्ष में अगर प्राचीन इतिहास का भी अवलोकन करें तो यह निश्चित रूप से दिखाई देता है कि चिकित्सा पद्धति से जुड़े हुए लोगों को ईश्वर का दूसरा रूप माना गया है। ईश्वर इंसान को जन्म देता है और चिकित्सक मानव शरीर में विराजमान विकृतियों को अपनी बुद्धी एवं कुशलता के द्वारा, उसका पुनः निर्मिण करते हैं। इसी की वजह से भारतवर्ष के बहुत से महान चिकित्सो का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अद्वितीय एवं सम्मानीय छवि को स्थापित किया था। लेकिन वर्तमान में जिस तेजी से इस देव स्वरूप सोच का पतन होना प्रारंभ हुआ है, वह निश्चित रूप से एक विचारणीय एवं अंतरराष्ट्रीय शोध का विषय है। यद्यपि कोई मरीज अपने घर से अस्पताल के लिए निकलता है तो निश्चित रूप से मानिए यह जरूरी नहीं कि आर्थिक अभाव के कारण उसका पंची रूपी शरीर अपनी सांसे उस अस्पताल में छोड़ने के लिए मजबूर हो सकता है। इसका एक नहीं अनेक कारण है, जिनसे उसको गुजरना पड़ता है। सर्ब प्रथम छोटे स्तर से और बड़े स्तर तक शिवाय लूटने के अलावा भावहीन होना इस विभाग का, दूसरा सरकारी योजनाओं का लाभ क्षेत्रीय विधायक, मंत्री या प्रशासनिक अधिकारियों का अपने लोगों को लाभान्वित करना, सरकारी अस्पतालों में गरीब एवं मध्यवर्गीय परिवारों की सुनवाई न होना, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का इसकी तरफ पूर्ण ध्यान ना देना, माफियाओं के द्वारा नकली दवाइयों की अत्याधिक मात्रा में करना, इन कारणों की वजह से निजी अस्पतालों की मनमानी वाह दलालों का फैलाव एंबुलेंस से लेकर प्रत्येक जांच में डॉक्टर का कमीशन इत्यादि।किन्तु माफियाओं का इतना बोलबाला होने के उपरांत भी कुछ चुनिंदा चिकित्सक निस्वार्थ भाव से आज भी ग्वालियर जैसे महानगर में अपनी सेवा देने में निरंतर लगे हुए जो की जो मनवता के अनुकरणीय है, जैसे कि-**डॉ संतोष सिंह तोमर (एम एस, आई स्पेशलिस्ट -कृष्णा नेत्रालय),** डॉ धर्मेंद्र सिंह(एम डी, जनरल मेडिसन चिरायु हॉस्पिटल), डॉ आशीष सिंह चौहान (डी एम कार्डियोलॉजिस्ट), डॉ अनुराग सिंह सिकरवार (एम डी)आदि। धन्य है आप लोग, देखना इस मानवी सेवा का फल भी इन चिक्तिसको अवश्य मिलेगा क्यो कि भगवान के देर है अन्धेर नहीं आओ हम सव मिलकर इनका हौंसला बढायें। माननीय प्रधानमंत्री एवं यशस्वी मुख्यमंत्री जी से आम जनता का (गरीब एवं मध्य वर्गी) अनुरोध है कि सनातन धर्म की परंपराओं में इस पद्धति को भगवान तुल्य माना गया है। लेकिन वर्तमान में जिस दौर से गुजर रही है उससे तो यही कह सकती कि इस विभाग ने पूर्ण रूप से राक्षस का शरीर धारण कर लिया है जो आए दिन मानव की सांसें लूटने में लगा हुआ है। इसलिए शीघ्र से शीघ्र इस विभाग के लिए कुछ कठोर नियम बनाया जाए। जिससे आम जनता मूल सुविधाएं से लाभान्वित हो सके। उदाहरण के तौर पर दिल्ली के मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल ने चिकित्सा विभाग के लिए जो नियम बनाए हैं,वे वास्तविक रुप से प्रशंसनीय हैं। उन्हीं नियमों को मध्य प्रदेश मे पूर्ण रूप से लागू होना चाहिए तो आने वाले समय में निश्चित रूप से सुधार की संभावना है अन्यथा सुधार कागजों में ही वर्णन होकर रह जाएगा ।

दैनिक पुष्पांजली टुडे

जैकलीन फर्नांडिस ने कराया ग्लैमरस अंदाज में फोटोशूट

फिल्म अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस ने सोशल मीडिया पर एक फोटो शेयर किया है' यह फोटो ब्लैक एंड वाइट में है' इसपर कई कलाकारों ने प्रतिक्रिया दी हैं' इनमें उर्वशी रौटेला भी शामिल है' जैकलीन फर्नांडिस फोटो में सोफा पर लेटी हुई है और वह टॉपलेस है'इसमें उन्होंने डार्क ब्लैक आईलाइनर लगा रखा है, साथ ही उन्होंने लिपस्टिक लगा रखी है और वह कैमरे में देख रही है' उन्होंने अपनी फोटो पर ।वावा। लिखा हुआ है'

फोटो पर कमेंट करते हुए उर्वशी रौटेला ने लिखा, ।इंटरनेट की देवी। वहीं मनीष पॉल ने भी फायर की इमोजी पोस्ट की है' जैकलीन फर्नांडिस का यह अवतार सभी को पसंद आ रहा है' जैकलीन फर्नांडिस फिल्म अभिनेत्री हैं' वह कई फिल्मों में अहम भूमिका निभाने वाली है' हाल ही में उन्हें अक्षय कुमार और नुशरत भरुचा के साथ फिल्म रामसेतु की स्क्रिप्ट रीडिंग करते हुए देखा गया था'जैकलीन फर्नांडिस फिटनेस फ्रीक भी मानी जाती हैं' इस बारे में बताते हुए जैकलीन फर्नांडिस ने कहा था, ।पिछले कई वर्षों में मैंने यह समझा है कि इसका मतलब यह नहीं है कि आप किसी साइज में रहें' मैं बहुत ज्यादा ध्यान योग और आंतरिक शांति पर दे रही हूं'। इसके अलावा उन्होंने कहा था, ।मैं ऐसी चीजों पर ध्यान केंद्रित कर रही हूं' जो मुझे शांत रखें' जैसे योग, डांस या ब्रेथिंग की एक्सरसाइज है' मेरी फिटनेस रूटीन रहेगी लेकिन मेरे पास अगर एक भी घंटा है तो मैं ध्यान करना पसंद करूंगी'। जैकलीन फर्नांडिस इन दिनों फिल्म बच्चन पांडे की शूटिंग कर रही हैं' इस फिल्म में उनके अलावा अक्षय कुमार की अहम भूमिका है' उन्होंने एक फोटो शेयर करते हुए इस बात की जानकारी दी थी' जैकलीन फर्नांडिस जॉन अब्राहम के साथ फिल्म अटैक में, भूत पुलिस में सैफ अली खान, यामी गौतम और अर्जुन कपूर के साथ में, फिल्म सर्कस में रणवीर सिंह और पूजा हेगड़े के साथ में और किक 2 में सलमान खान के साथ में नजर आएंगी।

बिग बी के साथ काम करने पर इमरान ने कहा

'मैंने एक उपलब्धि हासिल की'

अभिनेता इमरान हाशमी का कहना है कि आगामी थ्रिलर 'चेहरे' में अमिताभ बच्चन के साथ स्क्रीन साझा करना उनके करियर की बड़ी उपलब्धि है। इमरान कहते हैं, मुझे ऐसा लगा जैसे इंतजार खत्म हो गया है। हम अमिताभ बच्चन सर को देखकर बड़े हुए हैं और इंडस्ट्री में हर कलाकार उनके साथ काम करने की इच्छा रखता है। अभिनेता ने कहा कि बिग बी ने उनके लिए अनुशासन की भावना को प्रेरित किया है।

अमिताभ बच्चन सर के अनुशासन को पांच दशकों से अधिक समय तक उद्योग में रहने के बाद भी देखना आश्चर्यजनक है। हमारा उद्योग बहुत अनुशासन-आधारित नहीं है, जिससे कई बार थोड़ी मुश्किल हो जाती है। उन्होंने मुझे प्रेरित किया है। वह समय के पाबंद हैं, हमेशा समय पर सेट पर पहुंचते हैं। यह एक प्रथा है, जिसका उन्होंने हमेशा पालन किया है। चेहरे का निर्देशन रूमी जाफरी ने किया है और इसमें रिया चक्रवर्ती, क्रिस्टेल डिसूजा, अन्नू कपूर, धृतिमान चटर्जी, रघुबीर यादव और सिद्धांत कपूर भी हैं। फिल्म 9 अप्रैल को रिलीज होने वाली है।

दूसरी बार माता-पिता बनने वाले हैं

हरभजन और गीता

भारत के बेतरीन गेंदबाज हरभजन सिंह और अभिनेत्री गीता बसरा दूसरी बार माता पिता बनने जा रहे हैं। जी हां, ये खुशखबरी इस जोड़ी ने अब से कुछ देर पहले ही अपने सोशल मीडिया शेयर की है। जहां इस जोड़ी ने फैंस को बताया है कि दोनों जुलाई मे दूसरी माता-पिता बनने जा रहे हैं ।गीता ने जो तस्वीरों को शेयर किया है। उनकी खूबसूरत सी 7 साल की बेटी हिनाया भी नजर आ रही है। जहां इस तस्वीर में गीता का बेबी बंप दिखाई दे रहा है। वहीं सोशल मीडिया पर इस जोड़ी की तस्वीरें खूब वायरल हो रही है। ऐसे में दुनिया भर से लोग इस जोडी को बधाई दे रहे हैं। इस जोड़ी के रिश्ते के बारे में बात करते तो दोनों ने लंबे समय तक एक दूसरे को डेट किया और फिर 29 अक्टूबर 2015 को इस जोड़ी ने शादी करली थी। हरभजन सिंह इस साल आईपीएल के इस सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। फरवरी में हुई नीलामी में अंतिम मिनट में केकेआर ने उन्हें बेस प्राइस दो करोड़ रुपए मे खरीदा था। शादी के बाद से गीता ने कोई फिल्म नहीं की है। गीता बसरा की अपनी शादी को लेकर इच्छा थी कि वे शादी के दिन गाउन पहने, पर ऐसा हो न सका और उनकी यह ख्वाहिश अधूरी ही रह गई। गीता ने अपनी शादी पर एक पिंक कलर का शानदार डिजाइनर लहंगा पहना था, जिसमें उनका देसी ब्राइडल लुक देखने लायक था।

करीना ने आमिर खान के जन्मदिन पर दिया

नायाब तोहफा

बॉलीवुड के दमदार अभिनेता आमिर खान अपना 56वां जन्मदिन मना रहे हैं। जहां एक्टर को दुनिया भर से बधाई मिल रही है। लेकिन करीना कपूर खान ने भी एक्टर को विश किया है। आमिर खान को विश करते हुए करीना ने उनकी एक नई तस्वीर को शेयर किया है। जो एक्टर के फैंस के लिए एक ट्रीट की तरह है। अपने पोस्ट में करीना ने आमिर के लिए प्यार मैसेज साझा करने के साथ-साथ उनके फैंस को भी एक बड़ा सरप्राइज दिया है। करीना कपूर का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में आ गया है।

करीना कपूर ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर आमिर खान की तस्वीर शेयर की है। ये तस्वीर करीना-आमिर की फिल्म लाल सिंह चड्ढा से है। जहां ये तस्वीर फिल्म के सेट की है। इस फोटो में आमिर खान साफा बांधे और लंबी दाढ़ी में दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने ऑफ व्हाइट कुर्ता पहन रखा और गले में इंच टेप लटकाया हुआ है। आमिर खान का ये लुक देखकर उनके फैंस इस फिल्म के लिए और बेताब हो गए हैं। करीना कपूर ने इस फोटो को शेयर करते हुए एक्टर के लिए एक प्यारा सा मैसेज शेयर किया है। एक्ट्रेस ने लिखा जन्मदिन की शुभकामनाएं मेरे लाला तुम्हारे जैसा दूसरा कभी भी नहीं होगा इस हीरे जैसे फिल्म में तुमने जो जादू किया है, मैं उसे दर्शकों के देखने का इंतजार नहीं कर रहा पा रही हूं। वहीं इस फिल्म की बात करें तो यह एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जो हॉलीवुड क्लासिक फॉरेस्ट गंप की रीमेक है। इस फिल्म के जरिए करीना और आमिर दूसरी बार साथ में स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन द्वैत चंदन ने किया है। ये फिल्म अगले साल रिलीज होगी।

सपना चौधरी ने अंग्रेजी गाने पर लगाए देसी ठुमके

मशहूर हरियाणवी डांसर एवं बिग बॉस फेम सपना चौधरी के यूं तो लाखों चाहने वाले हैं। उन्हें देख फैंस का दिल धड़कता है। मगर जब भी वो स्टेज पर आकर ठुमके लगाती है तो दर्शक दीवाने हो जाते हैं। हाल ही में सपना की ओर से शेयर किए गए एक वीडियो को देख उनके चाहने वालों का ऐसा ही हाल हुआ हैं। वीडियो में सपना इसमें काला सूट पहनकर अंग्रेजी गाने में देसी ठुमके लगाती हुई नजर आ रही हैं।

सपना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक स्टेज परपफॉर्मेंस का वीडियो पोस्ट किया है। जिसमें वो अपने लटकों-झटकों से फैंस का दिल लूट रही हैं। उन्होंने अपने इस वीडियो में पॉपुलर हॉलीवुड सिंगर जस्टिन बीबर का गाना बेबी लव यू का इस्तेमाल किया है। साथ ही उन्होंने कैप्शन के जरिए अपने फैंस को उन पर प्यार लुटाने के लिए शुक्रिया कहा है।

उन्होंने कैप्शन लिखा, थैंक्यू आप लोग मेरी फैमिली हैं, जो मुझे इतना प्यार करते हैं। मैं आप लोगों को कितना भी थैंक्यू बोलूं वो कम है, बहुत कम। चाहने वालों को अपने चहेते सितारे से मिली इस सराहना से लोग काफी खुश हैं। वे सपना को दिल से दुआ दे रहे हैं कि वो बहुत तरक्की करें और इसी तरह उन्हें एंटरटेन करती रहें।

सपना चौधरी के वैसे तो ज्यादातर गाने उनके फैंस को पसंद आते हैं, लेकिन इन दिनों लोगों पर पायल चांदी की का खुमार चढ़ा हुआ है। इसे रेणुका पंवार ने बहुत ही खूबसूरत अंदाज में गाया है। जबकि गाने का म्यूजिक अमन जाजी और इसके बोल मुकेश जाजी ने लिखे हैं। इससे पहले महिला दिवस के मौके पर रिलीज हुआ गुंडी गाना भी लोगों को खूब पसंद आया था। इसे भी सुपरहिट सिंगर रेणुका पंवार ने गाया था।

निरहुआ के साथ फिल्म में आएंगी नजर

सपना जल्द ही भोजपुरी सुपरस्टार दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ के साथ फिल्म मजनूं में नजर आएंगी। इसमें उन्हें लीड एक्ट्रेस के तौर पर देखा जाएगा। ब्रजेश मौर्या के निर्देशन में बन रही इस फिल्म को इन्लिक्स इंडिया प्रोडक्शन हाउस द्वारा निर्मित किया जा रहा है। माना जा रहा है कि यह भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की एक बडे. बजट की फिल्म है।

अनन्या पांडे नजर आई अलग लुक में

फिल्म लाइगर में अनन्या पांडे एक्शन अवतार में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में अनन्या पांडे चार अन्य भाषाओं में डेब्यू करेंगी। वहीं, लुगू सुपरस्टार और नॉर्थ इंडिया में अर्जुन रेड्डी के नाम से मशहूर विजय देवरकोंडा और अनन्या पांडे की मोस्ट अवेटेड फिल्म लाइगर का फर्स्ट लुक रिलीज किया जा चुका है। अब आजकल अनन्या फैंस के लिए अपनी काफी ग्लैमरस फोटोज शेयर कर रही हैं, जिनमें एक्ट्रेस का अंदाज फैंस को काफी पसंद भी आ रहा है।

अनन्या पांडे ने फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से अपने धमाकेदार करियर की शुरूआत की थी। अब अनन्या आए दिन सुर्खियों में ही बनी रहती हैं। एक्ट्रेस कभी फिल्म तो कभी फोटोज के कारण सुर्खियां बटोरती रहती हैं। इस समय अनन्या पांडे की कुछ खूबसूरत तस्वीरें वायरल हो रहीं हैं जो कि उन्होने खुद सोशल मीडिया पर साझा की हैं।

अनन्या ने जो फोटो शेयर की हैं, उनमें वह काफी ज्यादा हॉट लग रही हैं। एक्ट्रेस ने व्हाइट कलर का सेक्सी सा टॉप और ब्लैक जींस पहनी हुई है। इस टॉप को लुक ब्रा स्टाइल का जिसकी बेल्ट एक्ट्रेस ने खोल रखी हैं। इस दौरान वह अपनी अदाओं का जादू बिखेरती नजर आ रही हैं।

फोटो शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा है कि कभी कभी आप गंदे हो जाते है ।एक्ट्रेस का सेक्सी अंदाज फैंस के बीच तेजी से छा रहा है। अनन्या की इन फोटोज पर फैंस जमकर लाइक और कमेंट कर रहे हैं।

अनन्या पांडे ने भले ही काफी फिल्मों में काम किया है लेकिन उनकी फैन फॉलोविंग काफी दमदार है। अनन्या पांडे कुछ समय पहले ईशान खट्टर के साथ खाली पीली में नजर आईं थीं।

अनन्या की फिल्म लाइगर की रिलीज की घोषणा होने से पहले एक तेलुगु फिल्म में देखा गया था। अनन्या और विजय देवरकोंडा पहली बार साथ नजर आने वाले हैं। ऐसे में दोनों के ही फैंस पर्दे पर इन स्टार्स को देखने को बेताब हैं ।दोनों ही स्टार्स आजकल एक दूसरे की तारीफों के पुल बांधते भी खूब नजर आते हैं। अनन्या कई बार विजय की तारीफ करती नजर आ चुकी हैं। एक्ट्रेस कह चुकी हैं कि वह विजय के साथ कम करके बहुत खुश हैं।

लाइगर पुरी जगन्नाथ के निर्देशन में बनी हैय उनके पास और एक फिल्म भी है, जो शकुन बत्रा के निर्देशन में अभिनेत्री दीपिका पादुकोण और सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ स्क्रीन साझा करेंगी। अनन्या की इस फिल्म का फैंस को भी इंतजार है, एक्ट्रेस अपने ग्लैमरस अंदाज के लिए फैंस के बीच फेमस हैं।

बॉलीवुड में हैं वंशवाद : प्राची देसाई

फिल्म अभिनेत्री प्राची देसाई ने खुलासा किया है कि जिस प्रकार राजनीति में भ्रष्टाचार है, उसी प्रकार बॉलीवुड मे वंशवाद है' प्राची देसाई ने अपना डेब्यू फिल्म रॉक ऑन से किया था' यह फिल्म 2008 में आई थी' इस फिल्म में फरहान अख्तर की अहम भूमिका थी' इस फिल्म के अलावा प्राची बोल बच्चन, लाइफ पार्टनर, तेरी मेरी कहानी, आई, मी और मैं, पुलिसगिरी, वंस अपॉन ए टाइम इन मुंबई, अजहर और रॉक ऑन टू मे नजर आई थी' वह 2017 में आई फिल्म कार्बन में भी नजर आई थी' अब वह जल्द वेब सीरीज साइलेंस में नजर आएंगी' प्राची देसाई ने बताया है कि वह फिल्मों से क्यों दूर रही' इसके अलावा बॉलीवुड में किस प्रकार कंटेंट बदला है' साथ ही उन्होंने नेपोटिज्म पर भी बात की है ।इस बारे में बताते हुए प्राची देसाई ने कहा, 'मैं यही कहूंगी कि राजनीति में जैसे भ्रष्टाचार है, ठीक उसी तरह बॉलीवुड में भी वंशवाद है' जो है उससे इनकार नहीं किया जाना चाहिए और यह बहुत ज्यादा है और मैं खुश हूं कि ओटीटी प्लेटफॉर्म आ गए हैं' जिनपर कई सारे कंटेंट देखने को मिल सकते हैं'' जब उनसे पूछा गया कि वह इतने लंबे समय तक ब्रेक क्यों लिया' तब प्राची ने कहा, 'मैंने अभिनय करना बहुत जल्दी शुरू कर दिया था' इसके बाद मुझे थोड़ा ब्रेक लेने की आवश्यकता थी' मैंने बहुत सारी चीजें की और मैं अब कुछ नया करना चाहती थी' मैंने कई सारी फिल्मों को मना कर दिया' कुछ पर काम नहीं हो पाया और कुछ बनी नहीं' हां मेरे करियर में गैप है लेकिन मैं कुछ नया करना चाहती हूं' इस फिल्म में मुझे एक पुलिस इंस्पेक्टर की भूमिका मिली है, जो मैं करना चाहती थी।' प्राची देसाई सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव है' वह अक्सर सोशल मीडिया पर फोटो शेयर करती रहती है'

दैनिक पुष्पांजली टुडे

एक नजर...

सियालदह जा रही राजधानी एक्सप्रेस में महिला से छेड़खानी, हंगामे के बाद यात्री गिरफ्तार

पीडीडीयू नगर (चंदौली)। नई दिल्ली से सियालदह जा रही राजधानी एक्सप्रेस में एक महिला के साथ छेड़खानी के बाद हंगामा खड़ा हो गया। महिला की शिकायत पर टीटीई ने कंट्रोल रूप को मामले की जानकारी दी। कानपुर के पास हुई घटना के बाद ट्रेन के पीडीडीयू जंक्शन (मुगलसराय) पहुंचने पर आरोपी युवक को आरपीएफ ने हिरासत में ले लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किया गया युवक हरियाणा के कुरुक्षेत्र का रहने वाला विजय कुमार है। वह कोलकाता स्थित प्राइवेट फर्म में काम करता है। विजय कुमार नई दिल्ली से सियालदह जा रही 02314 डाउन राजधानी एक्सप्रेस के बी 2 बर्थ संख्या 69 पर सवार होकर कोलकाता जा रहा था। इसी कोच में दिल्ली की महिला सियालदह जा रही थी। ट्रेन के कानपुर से रवाना होते ही महिला ने विजय पर छेड़खानी का आरोप लगाया। महिला के शोर मचाते ही चलटिकट परीक्षक ने पीडीडीयू जंक्शन पर कंट्रोल को इसकी जानकारी दी। रविवार की रात 1.19 पर पीडीडीयू जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या दो पर ट्रेन के पहुंचते ही जीआरपी ने आरोपित युवक को हिरासत में ले लिया। पुलिस महिला की तहरीर पर मुकदमा दर्जकर अगली कार्रवाई में जुटी है। जीआरपी कोतवाल आरके सिंह ने बताया कि आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्जकर कार्रवाई की जा रही है।

दुकान मलिक ने लड़के की बेरहमी से की पिटाई, दो गिरफ्तार

बहराइच। बहराइच जिले में आटो रिपेयरिंग शॉप पर काम सीख रहे लड़के की रविवार को दुकान मालिक व उसके साथी ने बेरहमी से पिटाई कर दी। लड़के पर मोबाइल चोरी करने का संदेह था। घायल बालक को रविवार देर शाम सीएचसी से मेडिकल कालेज रेफर किया गया था। इसकी जानकारी मिलते ही एसएसपी ने तत्काल संज्ञान लेकर जांच कराई है। इस मामले में दो आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। नानपारा कोतवाली के केशवापुर निवासी 12 वर्षीय बालक शेर खान पुत्र महराब खान नानपारा बाईपास स्थित इश्हाक पुत्र जमील की आटो रिपेयरिंग शाप पर काम सीख रहा था। इश्हाक ने रविवार दोपहर बालक को आलमारी में रखने को मोबाइल दिया। मोबाइल आलमारी से गायब हो गया। जिसको लेकर इश्हाक व उसके साथी अमित पुत्र महादेव ने बालक शेर खान पर मोबाइल चोरी की आशंका जताते हुए बेरहमी से पिटाई कर उसे घायल कर दिया। बालक को सीएचसी नानपारा लाए जाने पर देर शाम मेडिकल कालेज रेफर किया गया था। इस मामले में कोतवाली में एनसीआर दर्ज की गई थी। इस मामले में किसी ने सोशल मीडिया पर बालक की पेचकश व तार से पिटाई व नाखून उखाड़ने की कोशिश का वीडियो वायरल किया गया। एसपी डॉ. विपिन कुमार मिश्रा ने बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कथन पेंचकश व तार से पिटाई व नाखून उखाड़ने की बात जांच में असत्य पाई गई। मेडिकल रिपोर्ट में आठ स्थानों पर साधारण चोटें आई थी। एक्सरे की एडवाइस की गई है। इस मामले में बंधक बनाकर मारपीट, धमकी आदि धाराओं में केस दर्ज किया गया है। इश्हाक व अमित को गिरफ्तार किया गया है।

माई स्टाम्प योजनाः पीएम मोदी के साथ ईहा दीक्षित की फोटो वाली डाक टिकट जारी

मेरठ। पौधारोपण और पर्यावरण संरक्षण की अनूठी मुहिम के लिए चर्चाओं में रही और प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार योजना से सम्मानित नन्ही ईहा दीक्षित का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ फोटोयुक्त डाक टिकट जारी हुआ है। यह डाक टिकट डाक विभाग की माई स्टाम्प योजना के तहत जारी की गई है, जो चर्चाओं में है। माई स्टाम्प योजना से आप भी 300 रुपये में अपनी फोटो के साथ डाक विभाग से डाक टिकट जारी करा सकते हैं। डाक टिकट पर आपकी भी हो सकती है फोटो, बस इसके लिए यह काम करना होगा। ऐसे बहुत से लोग होते हैं जो अलग-अलग तरह के डाक टिकटों का संग्रह करने का शौक रखते हैं। एक आम इनसान की तस्वीर भी डाक टिकट पर अंकित हो सकती है और इसके लिए आपको गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने या फिर कुछ हट के कारनामा करने की जरूरत नहीं है। आप कितने भी साधारण व्यक्तित्व के स्वामी भले ही क्यों न हों, आपके सम्मान में भी डाक टिकट जारी हो सकते हैं। आप ही क्या, आपके बच्चे, आपके जन्मदिन या फिर शादी की सालगिरह की तस्वीर भी सरकारी डाक टिकट पर प्रकाशित हो सकती है।

माई स्टाम्प योजना–भारत सरकार की एक पुरानी योजना है और इस योजना के बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। इस योजना का माई स्टाम्प है। इस योजना के तहत कोई आम आदमी भी अपनी फोटो डाक टिकट पर छपवा सकता है। माई स्टाम्प योजना 2011 में आयोजित विश्व फिलैटली प्रदर्शनी के दौरान शुरू की गई थी। इस योजना के तहत महज 300 रुपये का शुल्क जमा करके आप अपनी तस्वीरों वाले 12 डाक टिकट जारी करवा सकते हैं। यह डाक टिकट अन्य डाक टिकटों की तरह मान्य होंगे। इन माध्यम से आप देश के किसी कोने में पोस्ट भी भेज सकते हैं। अपनी फोटो वाला डाक टिकट के लिए आपको अपने शहर के पोस्ट ऑफिस में संपर्क करना होगा। फोटो वाले डाक टिकट जारी करवाने के लिए केवल एक शर्त है कि जिस व्यक्ति की तस्वीर का आप डाक टिकट जारी करवाना चाहते हैं, वह व्यक्ति जीवत होना चाहिए। माई स्टाम्प योजना के बारे में डिप्टी पोस्टमास्टर रतन सिंह ने बताया कि माई स्टांप योजना से अपनी फोटो सहित 12 स्टांप मिलते हैं। जिसका शादी, जन्मदिन, तोहफे में देने में इस्तेमाल कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि भारत सरकार की माई स्टाम्प योजना से लोग 300 रुपये में अपनी फोटो के साथ डाक विभाग से 12 डाक टिकट जारी करा सकते हैं। निजी तौर पर डाक टिकट जारी करवाने के साथ-साथ इस योजना के तहत कोई कंपनी या ग्रुप भी अपनी पसंद के चित्र के साथ डाक टिकट जारी करवा सकते हैं।

चौपाल में मौजूद ग्रामीण व भाजपाई

बंगरा(मऊरानीपुर)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा ग्राम पठा-करका, चौकरी, गैराहा, रजपुरा, मगरवारा, कचनेव बंगरा-धवा, लारौन, पडरा, आदि ग्रामों में ग्राम चौपाल का आयोजन जिलामहामंत्री अरूणसिंह तोमर के मुख्य आतिथ्य में किया गया द्य चौपाल में ग्रामीणों को केन्द्र व राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। जिसमें कृषि कर्जमाफी योजना, मुदा योजना, उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, शौचालय मिशनशक्ति, आयुष्यमान योजना, प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना आदि योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए आगामी त्रिस्तरीय पंचायती चुनाव में भाजपा समर्थित प्रत्याशियों को जिताकर पहुंचाने की बात कही। चौपाल में मण्डल अध्यक्ष पुष्पेन्द्र कुशवाहा, वार्ड संयोजक सोहन घोष, रंजीत भोजवाल, वीरेन्द्र नायक, रामकिशोर आर्य नवाब सिंह चौकरी, रविकान्त आर्य, गजेन्द्र सिंह, सुखराम कुशवाहा, अशोक कुमार, शंभूदयाल, महेश कुमार, कालकाप्रसाद, मनोज कुशवाहा, छन्दीलाल कुशवाहा, सुभाष अहिरवार, अनेन्द्रपाल सिंह परिहार, सुनील सेहारिया, रामप्रताप जादौन, बृजेश साह, रणकेंद्र सिंह, भगवानदास कुशवाहा, दीनदयाल पांचाल सहित बूध अध्यक्ष, सेक्टर, प्रभारी, सेक्टर संयोजक तथा ग्रामवासी मौजूद रहे।

2021: यूपी पंचायत चुनाव में 27 मार्च तक फाइनल होगी आरक्षण लिस्ट

2015 के आधार पर होगा रिजर्वेशन

लखनऊ। यूपी पंचायत चुनाव की आरक्षण लिस्ट पर पर हाईकोर्ट का फैसला आ गया है। कोर्ट ने कहा है कि 2015 में हुए आरक्षण प्रक्रिया को बेस मानकर ही इस बार भी आरक्षण लिस्ट फाइनल की जाए। इस पर यूपी सरकार की ओर से कहा गया है कि उन्हें 2015 को आरक्षण आधार वर्ष मानने में कोई दिक्कत नहीं है। इसके बाद कोर्ट ने 27 मार्च तक रिजर्वेशन प्रक्रिया फाइनलाइज करने के आदेश दिए। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के न्यायमूर्ति रितुराज अवस्थी व न्यायमूर्ति मनीष माथुर की खंडपीठ ने 25 मई तक त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव संपन्न कराने के आदेश पारित किए हैं। बता दें कि शुक्रवार को कोर्ट ने अजय कुमार की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई की थी। याचिका में कहा गया था कि पंचायत चुनाव में आरक्षण लागू किये जाने सम्बंधी नियमावली के नियम 4

के तहत जिला पंचायत, सेत्र पंचायत व ग्राम पंचायत की सीटों पर आरक्षण लागू किया जाता है। कहा गया कि आरक्षण लागू किये जाने के सम्बंध में वर्ष 1995 को मूल वर्ष मानते हुए 1995, 2000, 2005 व 2010 के चुनाव सम्पन्न कराए गए। याचिका में आगे कहा गया कि 16 सितम्बर 2015 को एक शासनादेश जारी करते हुए वर्ष 1995 के बजाय वर्ष 2015 को मूल वर्ष मानते हुए आरक्षण लागू किये जाने को कहा गया। उक्त शासनादेश में ही कहा गया कि वर्ष 2001 व 2011 के जनगणना के अनुसार अब बड़ी मात्रा में डेमोग्राफिक बदलाव हो चुका है लिहाजा वर्ष 1995 को मूल वर्ष मानकर आरक्षण लागू किय अजाना उचित नहीं होगा। कहा गया कि 16 सितम्बर 2015 के उक्त शासनादेश को नजरंदाज करते हुए, 11 फरवरी 2021 का शासनादेश लागू कर दिया गया। जिसमें वर्ष 1995 को ही मूल वर्ष माना गया है। यह भी कहा गया कि वर्ष 2015 के पंचायत चुनाव भी 16 सितम्बर 2015 के शासनादेश के ही अनुसार सम्पन्न हुए थे।

हाईकोर्ट के फैसले के बाद अब नई बनेगी आरक्षण लिस्ट, बदल जाएंगे चुनावी समीकरण

लखनऊ। यूपी पंचायत चुनाव में आरक्षण कैसे होगा इस पर हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। कोर्ट ने कहा है कि 2015 में हुए आरक्षण को बेस मानकर इस बार भी आरक्षण लिस्ट तैयार की जाए। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच का यह फैसला योगी सरकार के लिए झटका माना जा रहा है। हाईकोर्ट ने 25 मई तक पंचायत चुनाव करवाने के भी निर्देश दिए हैं। अब इस फैसले के बाद आरक्षण लिस्ट फिर से बनेगी। जिससे कई ग्राम पंचायतों में चुनावी समीकरण बदल जाएंगे। बता दें कि हाईकोर्ट ने अजय कुमार की तरफ से दाखिल याचिका पर फैसला सुनाते हुए राज्य सरकार और राज्य चुनाव आयोग से कहा कि 2015 को आरक्षण का बेस वर्ष मानकर काम पूरा किया जाए। इससे पहले राज्य सरकार ने अदालत में कहा कि वह 2015 को आधार वर्ष मानकर त्रिस्तरीय चुनाव में आरक्षण की व्यवस्था लागू करने को तैयार है। कोर्ट ने पंचायत चुनाव को 25 मई तक पूरा करने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने कहा है कि 27 मार्च तक आरक्षण

लिस्ट भी फाइनल हो जाना चाहिए।अजय कुमार ने राज्य सरकार के 11 फरवरी 2011 के शासनादेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। याचिका में कहा गया था कि इस बार की आरक्षण सूची 1995 के आधार पर जारी की जा रही है, जबकि 2015 को आधार वर्ष बनाकर आरक्षण सूची जारी की जानी चाहिए। इस पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने अंतिम आरक्षण सूची जारी किए जाने पर रोक लगा दी थी।

कोई खुश तो किसी को लगा झटका–मौजूदा आरक्षण व्यवस्था पर हाईकोर्ट की रोक के बाद उन दावेदारों को बड़ा झटका लगा है जिन्होंने पोस्टर-बैनर छपवाकर प्रचार-प्रसार करना शुरू कर दिया था। उन्हें अब ये डर सताने लगा है कि कहीं अभी के आरक्षण में हाथ आई सीट 2015 की आरक्षण व्यवस्था के चलते हाथ से न निकल जाए। हालांकि वे दावेदार जिनके हाथ इस आरक्षण लिस्ट से मायूसी लगी थी, वे उम्मीद लगाए बैठे हैं कि शायद नई व्यवस्था से कुछ बदलाव हो जाए। सीटों का उलटफेर हुआ तो शायद उन्हें अपनी मनमाफिक सीट से चुनावी मैदान में उतरने का मौका मिल जाए। कोर्ट के फैसले ने कईयों के चेहरे पर मायूसी तो कईयों के चेहरों पर चमक ला दी है। गौरतलब है कि यूपी में इस बाद सरकार ने नई आरक्षण व्यवस्था लागू की थी। इस व्यवस्था से अनंतिम आरक्षण सूची जारी होने के बकाद कई दावेदार मैदान से बाहर हो गए थे। उन्होंने सूची पर आपत्तियां की थीं। उनकी आपत्तियों का निस्तारण करते हुए जिला प्रशासन को अब फाइनल लिस्ट जारी करनी थी।

अब बदल जाएगी यूपी पंचायत चुनाव आरक्षण लिस्ट

लखनऊ। यूपी पंचायत चुनाव आरक्षण लिस्ट हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के फैसले के बाद अब बदल जाएगी। सोमवार को हाईकोर्ट ने दायर याचिका फैसला सुनाते हुए 1995 को आधार मान जारी आरक्षण लिस्ट को निरस्त कर दिया है। हाईकोर्ट ने 2015 को आधार मानने की बात कही है। कोर्ट ने यह भी कहा है कि 25 मई तक त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव करा लिया जाए। इसके साथ ही 27 मार्च तक संशोधित आरक्षण सूची जारी करने का निर्देश भी दिया है। प्रदेश सरकार इससे पहले 17 मार्च को ही आरक्षण की संशोधित सूचित जारी करने की तैयारी में थी। इससे पहले हाईकोर्ट ने यूपी पंचायत चुनाव को 15 मई तक पूरा करने आदेश दिया था। आपको बता दें कि अजय की जनहित याचिका हाईकोर्ट दायर की थी। इस याचिका में 1995 को आधार वर्ष मानकर आरक्षण तय करने को चुनौती दी गई थी। जिस पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति रितुराज अवस्थी और न्यायमूर्ति मनीष माथुर की खंडपीठ ने आरक्षण की फाइनल सूची जारी करने पर रोक लगा दी थी और आरक्षण की प्रक्रिया पर सरकार और राज्य चुनाव आयोग से जवाब मांगा था। याचिका में आगे कहा गया कि 16 सितम्बर 2015 को एक शासनादेश जारी करते हुए वर्ष 1995 के बजाय वर्ष 2015 को मूल वर्ष मानते हुए आरक्षण लागू किये जाने को कहा गया। उक्त शासनादेश में ही कहा गया कि वर्ष 2001 व 2011 के जनगणना के अनुसार अब बड़ी मात्रा में डेमोग्राफिक बदलाव हो चुका है लिहाजा वर्ष 1995 को मूल वर्ष मानकर आरक्षण लागू किय अजाना उचित नहीं होगा। कहा गया कि 16 सितम्बर 2015 के उक्त शासनादेश को नजरंदाज करते हुए, 11 फरवरी 2021 का शासनादेश लागू कर दिया गया। जिसमें वर्ष 1995 को ही मूल वर्ष माना गया है। यह भी कहा गया कि वर्ष 2015 के पंचायत चुनाव भी 16 सितम्बर 2015 के शासनादेश के ही अनुसार सम्पन्न हुए थे।

लड़की का रेप किया फिर गांव में घूम-घूमकर पीड़ित परिवार का उड़ाया मजाक

बहराइच। यूपी के बहराइच जिले में शर्मनाक मामला सामने आया है। दरिंदों ने लड़की को अकेला पाकर उसके साथ रेप किया। यही नहीं आरोपी युवक ने पीड़िता के परिवार की खिल्ली उड़ाई। दोनों पक्षों में मारपीट के बाद रविवार देर रात दोनों पक्षों की तहरीर पर केस दर्ज कर चार आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है। रामगांव थाने के एक गांव निवासी व्यक्ति का परिवार शनिवार को बाहर था। उनकी 17 वर्षीय बेटी घर पर अकेली थी। गांव के ही एक स्वजातीय युवक ने किशोरी को कमरे में ले जाकर रेप किया। इतना ही नहीं रविवार को आरोपी युवक ने किशोरी के परिवार की गांव में जमकर खिल्ली उड़ाई। किशोरी का परिवार जब गांव आया तो उन्हें इसकी भनक लगी। तो वह युवक के परिजनों से गिला करने गए। तो वहां दोनो पक्षों में मारपीट हो गई। लड़की के पिता की ओर से रविवार रात में युवक सहित 7 को नामजद कर बलवा, मारपीट, रेप, पाक्सो की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। महिला सिपाही की अभिरक्षा में किशोरी को मेडिकल को भेजा गया है। एसपी डॉ. विपिन कुमार मिश्रा ने बताया कि दूसरे पक्ष की ओर से भी बलवा, मारपीट, धमकी की धाराओं में 4 को नामजद कर केस दर्ज कर लिया गया है।

मायावती का ऐलान, तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में बसपा अकेले लड़ेगी विधानसभा चुनाव

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने सोमवार को ऐलान किया कि उनकी पार्टी चार प्रदेशों- तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी- में बिना किसी गठबंधन के अकेले विधानसभा चुनाव लड़ेगी। मायावती ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी 2022 में होने वला उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव भी अकेले लड़ेगी। उन्होंने कहा, हम चुनाव को लेकर काम कर रहे हैं। हम किसी से ज्यादा रणनीति का खुलासा नहीं करते, बसपा प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर पूरे दम के साथ चुनाव लड़ेगी और अच्छे परिणाम देगी। बसपा प्रमुख ने दावा किया कि उनकी पार्टी उप्र में होने वाले पंचायत चुनावों में बेहतर प्रदर्शन करेगी। मायावती ने सोमवार को पार्टी के संस्थापक कांशीराम की 87वीं जयंती पर उनको याद किया। इस अवसर पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा, हमारी पार्टी का किसी के साथ भी गठबंधन का अनुभव अच्छा नहीं रहा, हमारी पार्टी के नेता तथा कार्यकर्ता और हमारे मतदाता बेहद अनुशासित है। देश की अन्य पार्टियों के साथ ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी के साथ भी गठबंधन में हमारा वोट तो उस पार्टी को स्थानांतरित हो जाता है, जबकि दूसरी पार्टी का वोट हमें नहीं मिल पाता है। यह बेहद ही खराब तथा कड़वा अनुभव है। भविष्य में हम किसी भी दल के साथ कोई गठबंधन नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि चार राज्यों के विधानसभा चुनाव में भी हमारी पार्टी अकेले दम पर चुनाव लड़ेगी। पश्चिम बंगाल के साथ ही केरल व तमिलनाडु में हमारी पार्टी का प्रदर्शन भी अच्छा रहेगा।

इसके अलावा उप्र में अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी सभी सीटो पर अकेले चुनाव लड़ेगी। उनसे पूछा गया कि इससे भाजपा तथा अन्य पार्टियो को फायदा हो सकता है, तो उन्होंने कहा कि हमाारा सर्वसमाज का वोट एकजुट रहता है और वह केवल हमारी पार्टी को ही जाता है, इसलिये हमारी पार्टी ने अब हर चुनाव अकेले लड.ने का फैसला लिया है। किसान आंदोलन पर बसपा नेता ने केंद्र सरकार से कृषि से जुड़े तीनों कानून वापस लेने की मांग दुहराई। उन्होंने कहा किसान आंदोलन में मृतक किसानों के परिजन को उचित आर्थिक सहायता व एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए। कांशीराम की जयंती पर मायावती ने कहा कि हमारी पार्टी बाबा साहेब डॉ. भीमराम आम्बेडकर तथा कांशीराम के दिखाए रास्ते पर चल रही है। हमारी पार्टी के संस्थापक कांशीराम ने बाबा साहब का रुके कारवां को आगे बढ़ाया। कांशीराम जी ने काफी ऐतिहासिक काम किया। इस अवसर पर पार्टी मान्यवर कांशीराम जी को श्रद्धा अर्पित करती है। उन्होंने कहा कि बसपा ही गरीब व वंचितों की सेवा में लगी है। केवल बसपा ने अपने काम को लगातार आगे बढ़ाने के लिए समाज को अपना सब कुछ दिया है, जिससे दलितों, शोषितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्गों, मुस्लिमों और अन्य अल्पसंख्यकों को सम्मान मिल सके। मायावती ने कहा कि बसपा उनको मजबूत करने में लगी है। पार्टी का हर कार्यकर्ता इस काम में बड़ी तथा कड़ी मेहनत कर रहा है।

दारोगा ने नहीं सुनी पत्नी की बात तो थाने पहुंचा मामला

अब ड्यूटी से ज्यादा समय देंगे घर पर

आगरा। दूसरों के मामलों को निपटाने वाले दारोगा जी अपनी पत्नी की ही नहीं सुन रहे थे। अपनी ड्यूटी के प्रति समर्पित दारोगा जी पत्नी को समय भी नहीं दे पा रहे थे। लंबे समय से उनका यह रवैया पत्नी को अखर गया। दोनों के बीच रार हो गई। पत्नी की शिकायत पर मामला परिवार परामर्श केंद्र पहुंच गया। केंद्र से फोन आने पर दारोगा भी दौड़ते हुए पहुंचे तो सामने पत्नी को पाया। काउंसलर ने दोनों को समझा-बुझाकर राजीनामा करवाया। दारोगा ने पत्नी को समय देने का वादा किया। इसके बाद दोनों केंद्र से सीधे ताजनगरी घूमने के लिए निकले। परिवार परामर्श केंद्र पहुंचे सात मामलों में सुलह कराई गई। वहीं दो मामलों में एफआईआर के लिए लिखा गया है। ऐसा ही एक मामला दारोगा जी का पहुंचा। ताजनगरी के एक थाने में तैनात दारोगा जी की शादी को अभी दो साल ही हुए हैं। शादी के कुछ महीने तक तो सबकुछ ठीक रहा। लेकिन बाद में उनका देर से घर आना और जल्दी जाना समस्या बनने लगा। काम के बोझ के चलते दारोगा पत्नी को समय नहीं दे पा रहे हैं। रात में घर आने के बाद भी उनके मोबाइल की घंटी बजती रहती। पत्नी कुछ पल भी उनसे बात नहीं कर पा रही थी। पत्नी ने अपनी बात भी उनके सामने रखी, लेकिन काम में व्यस्त पति ने कोई सुनवाई नहीं की। डेढ़ साल

से दारोगा जी का यही रवैया चल रहा है। इसको लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। पत्नी ने परामर्श केंद्र का सहारा लिया। केंद्र से फोन पहुंचने पर दारोगा वर्दी में दौड़ते हुए पहुंचे। सामने पत्नी बैठी मिलीं। उनकी काउंसलिंग शुरू की गई। पति ने कहा कि लोगों की बहुत समस्याएं हैं, उनकी सुनवाई में समय नहीं मिल पाता। अपने काम का हवाला दिया तो पत्नी ने पति की जिम्मेदारी की बात बोली। दोनों के बीच सामंजस्य नहीं बन पा रहा था। काउंसलर ने दोनों पक्षों को बारी-बारी सुनकर उनका निराकरण किया।

समय देने पर बनी बात–काउंसलर ने पति से पत्नी को समय देने की बात बोली। साथ ही पत्नी को भी समझाया कि एक दारोगा की समाज के प्रति क्या जिम्मेदारी होती है, उसे दूसरों के घरों की भी रक्षा करनी होती है। वह भी अपने पति के जॉब को ध्यान में रखकर व्यवहार करें। पति ने भी भविष्य में पत्नी का ध्यान रखने की बात कही। इसके बाद दोनों तरफ से गिले शिकवे दूर हुए। काउंसलर ने दंपति को सलाह दी कि यहां से कहीं घूमने जाओ। कहीं किसी रेस्टोरेंट में जाएं। आपस में दिनभर बात करें। दंपति इसके लिए तैयार हो गए और दोनों केंद्र से घूमने निकल गए। परिवार परामर्श केंद्र प्रभारी कमर सुल्ताना ने बताया कि केंद्र पर रविवार को 25 मामलों से जुड़े लोग पहुंचे। सात जोड़ों में काउंसलिंग कराकर राजीनामा कराया गया। दो मामलों में एफआईआर के लिए लिखा गया है। चार मामलों में लोगों ने फाइल निस्तारित करा ली। 12 मामलों में एक ही पक्ष आने पर अगली तारीख दी गई है।

पृथ्वी सातवें आसमां पर

827 रन एक सीजन में बनाने वाले बल्लेबाज बने

दर्द से कराहते मैदान से बाहर गए वापस लौटे और इतिहास रच दिया

एजेंसी. नई दिल्ली

टीम इंडिया से बाहर होते ही पृथ्वी शॉ ने विराट फॉर्म धर लिया है। पूरे टूर्नामेंट में उनके बल्ले ने जमकर रन उगला अब फाइनल में भी उन्होंने धुआंधर 73 रन की पारी खेली। इसी के साथ महज 21 वर्षीय यह खिलाड़ी विजय हजारे ट्रॉफी के एक सीजन में 800 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए। अब उनके नाम सीजन के आठ मैच में एक नाबाद दोहरा शतक, तीन शतक और एक फिफ्टी के साथ 827 रन दर्ज हो चुके हैं, जो रिकॉर्ड है। उत्तर प्रदेश के खिलाफ रविवार को मुंबई के कप्तान पृथ्वी शॉ को क्षेत्ररक्षण के दौरान पैर में चोट लगी। साथी खिलाड़ियों की गोद में सवार होकर उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया। बल्लेबाजी करेंगे या नहीं अभी यह भी स्पष्ट नहीं था, लेकिन पृथ्वी ने फिर साबित किया कि इतने कम समय में उन्होंने नाम कैसे बनाया। 10 चौके और चार छक्के की मदद से उन्होंने 39 गेंद में 73 रन पीट दिए। वह तेजी से शतक की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन शिवम मावी ने उन्हें आउट किया।

विजय हजारे ट्रॉफीः मुंबई चौथी बार चैंपियन

मुंबई की टीम ने चौथी बार विजय हजारे ट्रॉफी जीत ली। रविवार को हुए फाइनल में उन्होंने उत्तर प्रदेश को 6 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही मुंबई तमिलनाडु के बाद संयुक्त रूप से टूनार्मेंट इतिहास की दूसरी सबसे सफल टीम बन गई। तमिलनाडु ने 5 बार यह टूनार्मेंट जीता है। वहीं, मुंबई और कर्नाटक ने 4-4 बार विजय हजारे ट्रॉफी अपने नाम की। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी यूपी की टीम को माधव कौशिक और समर्थ सिंह ने अच्छी शुरूआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 122 रन जोड़े। समर्थ 55 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान करण शर्मा (0) और प्रियम गर्ग (21 रन) कुछ खास नहीं कर सके। अक्षदीप नाथ ने 40 गेंदों पर 55 रन बनाए। वहीं, माधव कौशिक ने 156 गेंदों पर 158 रनों की नाबाद पारी खेली। इसकी बदौलत यूपी की टीम ने 50 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 312 रन बनाए। मुंबई की ओर से तनुष कोटियान ने 2 और प्रशांत सोलंकी ने 1 विकेट लिया।

फाइनल में उत्तर प्रदेश को 6 विकेट से हराया

खिलाड़ी	रन	साल
पृथ्वी शॉ	827	2021
देवदत्त पडीक्कल	737	2021
मयंक अग्रवाल	723	2018
देवदत्त पडीक्कल	609	2019
दिनेश कार्तिक	607	2017

संक्षिप्त स्कोर:
उत्तर प्रदेश : 50 ओवर में 312/4 (माधव कौशिक : 158 रन* ; तनुष कोटियान : 54/2) को **मुंबई** : 41.3 ओवर में 315/4 (आदित्य तारे : 118 रन*, पृथ्वी शॉ : 73 रन) ने 6 विकेट से हराया।

उप्र का सपना टूटा

2021 से पहले मुंबई ने 2003-04, 2006-07, 2018-29 में विजय हजारे ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया था. उत्तर प्रदेश का अपनी दूसरी खिताबी जीता का सपना टूट गया. वह 2004-05 में तमिलनाडु के साथ संयुक्त रूप से विजेता बनी थी. इस बार उसकी कोशिश अपने दूसरे खिताब को जीतने की थी लेकिन सफल नही रही।

ई-शानदार जीत

एजेंसी. अहमदाबाद

भारतीय टीम ने इंग्लैंड को दूसरे टी-20 में 7 विकेट से हरा दिया। 165 रन के टारगेट का पीछा करते हुए भारतीय कप्तान विराट कोहली ने नाबाद 73 और ईशान किशन ने 56 रन की पारी खेली। ईशान डेब्यू मैच में फिफ्टी लगाने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं। उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। कोहली की टी-20 करियर में यह 26वीं फिफ्टी रही। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लिश टीम ने 6 विकेट गंवाकर 164 रन बनाए। इसके जवाब में टीम इंडिया ने 17.5 ओवर में 3 विकेट गंवाकर 166 रन बनाते हुए मैच अपने नाम कर लिया।

ईशान-कोहली की पार्टनरशिप

टीम इंडिया की शुरूआत बेहद खराब रही थी। पहले ही ओवर की आखिरी बॉल पर पहला विकेट गंवा दिया। ओपनर लोकेश राहुल बिना खाता खोले आउट हुए। सैम करन ने उन्हें कैच आउट कराया। यहां से विराट कोहली और ईशान किशन ने 55 बॉल पर 94 रन की पार्टनरशिप कर पारी को संभाला। ईशान 32 बॉल पर 56 रन बनाकर आउट हुए। आदिल राशिद ने उन्हें पगबाधा किया। ईशान फिफ्टी लगाकर पवेलियन लौट गए। कोहली ने मोर्चा संभाले रखा और ऋषभ पंत के साथ तीसरे विकेट के लिए 36 रन की साझेदारी कर टीम को जीत के करीब पहुंचाया। यहां पंत भी 13 बॉल पर ताबड़तोड़ 26 रन बनाकर आउट हो गए। भारतीय कप्तान ने नाबाद रहते हुए टीम को मैच जिताया। कोहली ने श्रेयस अय्यर के साथ नाबाद 36 रन की पार्टनरशिप की। इंग्लैंड का कोई बॉलर नहीं चल सका। सैम करन, क्रिस जॉर्डन और आदिल राशिद ने 1-1 विकेट लिया। बेन स्टोक्स सबसे महंगे रहे। उनके एक ओवर में टीम इंडिया ने 17 रन बनाए।

इंटरनेशनल क्रिकेट में सूर्यकुमार यादव और ईशान किशन डेब्यू किया, उन्हें कैप सौंपी गई।

ईशान की डेब्यू मैच में फिफ्टी

ईशान ने डेब्यू मैच में फिफ्टी लगाई है। वे पहले ही टी-20 में 50+ स्कोर बनाने वाले दूसरे भारतीय और वर्ल्ड के 44वें प्लेयर बन गए हैं। रहाणे यह उपलब्धि हासिल कर चुके। रहाणे ने 2011 में इंग्लैंड के खिलाफ मेनचैस्टर में 61 रन की पारी खेली थी।

कप्तान कोहली के 12 हजार रन

कप्तान विराट कोहली तीनों फॉर्मेट (टेस्ट, वनडे, टी-20) में 12 हजार रन बनाने वाले पहले कप्तान बन गए हैं। वर्ल्ड में उनका तीसरा नंबर है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पोंटिंग 15440 रन के साथ टॉप पर काबिज हैं।

सीरीज 1-1 की बराबर पर

इंडिया और इंग्लैंड के बीच 5 टी-20 की सीरीज 1-1 से बराबर पर है। सभी मैच अहमदाबाद में ही खेले जाएंगे। तीसरा मुकाबला 16 मार्च को खेला जाएगा।

रॉय और मलान ने संभाली इंग्लैंड की पारी

इंग्लैंड ने 6 विकेट गंवाकर 164 रन बनाए। ओपनर जेसन रॉय ने सबसे ज्यादा 46 रन की पारी खेली। कप्तान इयोन मोर्गन ने 28 और डेविड मलान ने 24 रन बनाए। भारतीय स्पिनर वॉशिंगटन सुंदर और तेज गेंदबाज शार्दूल ठाकुर ने 2-2 विकेट लिए। भुवनेश्वर कुमार और युजवेंद्र चहल को 1-1 सफलता मिली। इंग्लिश टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही। उसने मैच के पहले ही ओवर की तीसरी बॉल पर पहला विकेट गंवा दिया। तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने इंग्लिश ओपनर जोस बटलर को पगबाधा किया। बटलर खाता भी नहीं खोल सके।

साउथ अफ्रीका ने जीता चौथा वनडे, अपने ही घर पर सीरीज हारा भारत

लखनऊ। भारतीय महिला क्रिकेट टीम अपनी ही जमीन पर साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज हार गई है। दोनों टीमों के लखनऊ के एकाना स्टेडियम में पांच वनडे मुकाबलों की सीरीज का चौथा मैच खेला गया जो साउथ अफ्रीका की टीम ने रिकॉर्ड चेज के साथ अपने नाम किया। भारत को इस मुकाबले में सात विकेट से हराकर साउथ अफ्रीका ने सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त हासिल की है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी का फैसला किया. टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने अच्छी बल्लेबाजी की और कर 50 ओवर में 4 विकेट पर 266 रन बनाए। साउथ अफ्रीका ने 267 रनों का लक्ष्य महज 3 विकेट खोकर 48.4 ओवर में हासिल कर लिया।

मिताली ने बनाया नया रिकॉर्ड:वनडे में 7 हजार रन बनाने वाली दुनिया की पहली महिला क्रिकेटर बनीं

साउथ अफ्रीका के खिलाफ चौथे वनडे में बनाए 45 रन

एजेंसी. लखनऊ

भारतीय महिला वनडे टीम की कप्तान मिताली राज ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ चौथे वनडे में एक और कीर्तिमान अपने नाम किया। वे वनडे में 7 हजार रन पूरे करने वाली दुनिया की पहली महिला क्रिकेटर बन गई हैं। मिताली ने रविवार को साउथ अफ्रीका के खिलाफ 26 रन पूरी करते ही यह रिकॉर्ड बनाया।

वे अब तक खेले 213 वनडे में 50.49 की औसत से 7019 रन बना चुकी हैं। जबकि दूसरे नंबर पर इंग्लैंड की पूर्व कप्तान चार्लोट एडवर्ड्स है। उन्होंने 191 वनडे मैचों में 38.16 की औसत से 5992 रन बनाए थे। जबकि ऑस्ट्रेलिया की बेलिंडा जे क्लार्क तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 118 मैचों में 47.49 की औसत से 4855 रन बनाए।

मिताली ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ चौथे वनडे मैच में 71 गेंदों पर 45 रन बनाए। वहीं,

हरमनप्रीत कौर ने 35 गेंदों पर 54 रन और पूनम राउत 123 गेंदों पर 104 रन बनाकर नाबाद रहीं। इसकी बदौलत टीम 50 ओवर में 4 विकेट पर 266 रन बना सकी।

इंटरनेशनल क्रिकेट में 10 हजार रन : मिताली इंटरनेशनल क्रिकेट में 10 हजार रन पूरे करने वाली दुनिया की दूसरी और भारत की पहली महिला क्रिकेटर हैं। मिताली ने अब तक करियर में 46 से ऊपर की औसत से 10,046 रन बनाए हैं। मिताली से पहले इंग्लैंड की पूर्व कप्तान चार्लेट एडवर्ड्स यह रिकॉर्ड बना चुकी हैं। चार्लेट के नाम इंटरनेशनल क्रिकेट में 10,273 रन हैं।

वॉलीबाल प्लेयर राजेश तिवारी को श्रद्धांजलि

भोपाल। भेल स्पोर्ट्स क्लब, वालीबाल कोर्ट पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर अंतरराष्ट्रीय वॉलीबाल खिलाड़ी राजेश तिवारी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हे याद किया।

ज्ञातव्य है कि राजेश तिवारी का विगत दिनों भुवनेश्वर में स्वर्गवास हो गया था। आकर्षक व्यक्तित्व के धनी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय वॉलीबाल टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले राजेश तिवारी की गिनती देश के प्रतिष्ठित खिलाड़ियों में होती थी। वे भारतीय रेलवे वॉलीबाल टीम की कप्तानी करने का गौरव भी अर्जित कर चुके थे। वे विगत तीन वर्षो से भारतीय रेलवे वॉलीबाल टीम के कोच थे। इस श्रद्धांजलि सभा में प्रमुख रूप से उज्जव तिर्की, भरत बंछोर, डॉ राजेश मिश्रा, बलजीत सिंह, अविनाश डोंगरे, राजीव सेंगर, साबिर अंसारी, हेमंत यादव, कुमेल अब्बास, निशिकांत ठाकरे, देवेन्द्र रावत, हेमा, दीप्ती, कल्पना, अंजनी सिंह सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ीगण उपस्थित थे।

मॉनेटरी पॉलिसी में किसी बड़े बदलाव से बॉन्ड मार्केट प्रभावित होगा: रघुराम राजन

एजेंसी. नई दिल्ली

भारतीय अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे महामारी के झटके से बाहर निकल रही है। ऐसे में भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने चेताया है कि देश के मौद्रिक नीति के ढांचे में किसी तरह के बड़े बदलावों से बांड बाजार प्रभावित हो सकता है। राजन ने रविवार को कहा कि मौजूदा व्यवस्था ने मुद्रास्फीति को काबू में रखने और वृद्धि को प्रोत्साहन देने में मदद की है। राजन ने कहा कि सरकार का 2024-25 तक भारतीय अर्थव्यवस्था को 5,000 अरब डॉलर पर पहुंचाने का लक्ष्य आकांक्षी अधिक है। उन्होंने कहा कि यहां तक कि महामारी से पहले भी इस लक्ष्य को लेकर सावधानी से गणना नहीं की गई। पूर्व गवर्नर ने कहा, मेरा मानना है कि मौद्रिक नीति प्रणाली ने मुद्रास्फीति को नीचे लाने में मदद की है। इसमें रिजर्व बैंक के लिए अर्थव्यवस्था को समर्थन देने की गुंजाइश भी है। यह सोचना भी मुश्किल है कि यदि यह ढांचा नहीं होता, तो हम कैसे इतना ऊंचा राजकोषीय घाटा झेल पाते।उनसे पूछा गया था कि क्या वह मौद्रिक नीति के तहत मुद्रास्फीति के दो से 6 फीसदी के लक्ष्य की समीक्षा के पक्ष में हैं। रिजर्व बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति को 4 फीसदी (2 फीसदी ऊपर या नीचे) पर रखने का लक्ष्य दिया गया है।

उपलब्धि — 41वीं जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता देहरादून-2021, मुख्यमंत्री ने की तीरंदाज खिलाड़ियों के हौसलों की सराहना

मप्र के तीरंदाजों ने लगाया दो रजत और एक कांस्य पर निशाना

लोकदेश संवाददाता. भोपाल

उत्तराखंड के देहरादून में खेली जा रही 41वीं जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में म.प्र. राज्य तीरंदाजी अकादमी के खिलाड़ियों ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद मध्यप्रदेश को दो रजत और एक कांस्य दिलाकर प्रदेश को गौरवान्वित किया है। प्रतियोगिता के बालिका वर्ग रिकर्व इवेंट में अकादमी की खिलाड़ी सोनिया ठाकुर ने 642 अंकों के साथ मध्य प्रदेश को रजत पदक दिलाया। झारखंड 661 अंकों के साथ पहले और हरियाणा 634 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। बालक वर्ग की रिकर्व स्पर्धा में अकादमी के खिलाड़ी अमित कुमार ने 665 अंक प्राप्त कर मध्य प्रदेश को कांस्य पदक दिलाया। आंध्र प्रदेश 683 अंकों के साथ पहले और महाराष्ट्र 673 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। इसी तरह रिकर्व मिक्स्ड टीम इवेंट में मध्य प्रदेश तीरंदाजी अकादमी की खिलाड़ी सोनिया ठाकुर और अमित कुमार की जोड़ी ने मध्य प्रदेश को रजत पदक दिलाया। झारखंड पहले और पंजाब तीसरे स्थान पर रहा।

उल्लेखनीय है कि शनिवार को दिल्ली से देहरादून जा रही शताब्दी एक्सप्रेस के कोच में भीषण आग लग गई, जिसमें मध्य प्रदेश तीरंदाजी अकादमी जबलपुर के खिलाड़ी भी यात्रा कर रहे थे उन्हें सुरक्षित और सकुशल बचा लिया गया। लेकिन इस हादसे में उनके खेल उपकरण सहित अन्य सभी सामान आग की भेंट चढ़ गया। खिलाड़ियों को देहरादून में ही नए उपकरण और जरूरी सामान उपलब्ध कराया गया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान ने कहा कि भीषण रेल हादसे में साजो-सामान और तीर-कमान गँवाने वाले मध्यप्रदेश के तीरंदाज खिलाड़ियों ने अपने बुलन्द हौसले को बनाए रखते हुए नये उपकरणों से भी देहरादून में खेली जा रही 41वीं जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश को दो रजत और एक कांस्य पदक दिलाया है। मध्य प्रदेश तीरंदाजी अकादमी जबलपुर की खिलाड़ी बेटी सोनिया ने रजत और खिलाड़ी बेटे अमित ने कांस्य पदक जीतकर मध्य प्रदेश का मान बढ़ाया है। हमें अपने खिलाड़ी बेटे-बेटियों पर गर्व है।

मुश्किल घड़ी में खिलाड़ियों का धैर्य और संयम

प्रदेश की खेल और युवा कल्याण मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने कहा कि रेल के भीषण हादसे में ईश्वर कृपा से हमारे सभी खिलाड़ी सुरक्षित और सकुशल हैं। खिलाड़ियों ने जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में पदक जीतकर साबित कर दिखाया है कि मुश्किल घड़ी में भी धैर्य और संयम से सफलता हासिल की जा सकती है। खेल मंत्री ने पदक विजेता खिलाड़ी सोनिया ठाकुर और अमित कुमार को बधाई और शुभकामनाएं दी और कहा कि हमारे खिलाड़ियों ने मध्य प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। संचालक खेल और युवा कल्याण पवन जैन ने कहा कि विषम परिस्थितियों के बावजूद मध्य प्रदेश राज्य तीरंदाजी अकादमी के खिलाड़ियों ने जूनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में नए उपकरणों के सहारे मैडल जीत कर एक मिसाल पेश की है जो प्रदेश के लिए गौरव की बात है। रेल हादसे से पूर्व जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश राज्य तीरंदाजी अकादमी की खिलाड़ियों ने मध्य प्रदेश को रजत पदक दिलाया। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में खिलाड़ियों ने यह पदक कंपाउंड वूमेन टीम इवेंट में 222 अंकों के साथ अर्जित किया। टीम में मध्य प्रदेश राज्य तीरंदाजी अकादमी जबलपुर की खिलाड़ी अरशिया चैधरी, निकिता डागर, अनुराधा अहिरवार और लक्षिता फिरके शामिल थीं। महाराष्ट्र की खिलाड़ी 224 अंकों के साथ पहले स्थान पर रहीं। जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश तीरंदाजी अकादनी के प्रशिक्षक रिचपाल सिंह सलारिया के मार्गदर्शन में अकादमी के खिलाडी भागीदारी कर रहे हैं।

ग्वालियर, मंगलवार 16 मार्च 2021

दैनिक पुष्पांजली टुडे

गंदगी मिली तो बंद होंगी कलारी

अंतरविभागीय समन्वय बैठक में कलेक्टर ने की स्वच्छता सर्वेक्षण की समीक्षा

ग्वालियर। कलारी संचालकों को साफतौर पर ताकीद कर दें कि वे पर्याप्त संख्या में डस्टबिन रखवाएँ और उसी में कचरा डाला जाए। जिन कलारियों के आस-पास गंदगी मिलेगी उन्हें बंद करने की कार्रवाई की जायेगी। इस आशय के निर्देश कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने अंतरविभागीय समन्वय बैठक में संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने वार्ड मॉनीटर के रूप में तैनात विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों से कहा कि वे नियमित रूप से शहर के विभिन्न वार्डों में पहुँचें। अगर कहीं कचरा व गंदगी दिखाई दे तो नगर निगम के अमले के माध्यम से उसे साफ करवाएँ। सोमवार को यहाँ कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने सभी वार्ड मॉनीटर को निर्देश दिए कि वे मंगलवार को प्रातः 6 बजे बाल भवन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएँ। वहाँ से नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में संबंधित वार्ड में पहुँचकर साफ-सफाई की मॉनीटरिंग करें। भ्रमण के दौरान घर-घर से कचरा संग्रहण, सार्वजनिक स्वच्छता परिसर व शौचालयों की साफ-सफाई इत्यादि पर विशेष नजर रखें। साथ ही सड़कों व गलियों की साफ-सफाई भी देखें। उन्होंने विद्युत वितरण कंपनियों के अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि ट्रांसफार्मर के आस-पास जमा कचरा अभियान बतौर हटवाएँ। नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा ने बैठक में आह्वान किया कि स्वच्छता सर्वेक्षण में ग्वालियर को अव्वल बनाने में सभी अधिकारी सहयोगी बनें। उन्होंने कहा सभी के प्रयासों से ही ग्वालियर स्वच्छ व सुंदर शहर बनेगा।

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री किशोर कान्याल एवं अपर कलेक्टर श्री टी एन सिंह व श्री रिंकेश वैश्य सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

एक जिला एक उत्पाद को गंभीरता से लें–कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बैठक में कहा कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के तहत प्रदेश सरकार द्वारा एक जिला एक उत्पाद÷ पर विशेष जोर दिया जा रहा है। ग्वालियर जिले में आलू और स्टोन को एक जिला एक उत्पाद में शामल किया गया है। उन्होंने कहा कि हाल ही में भारत सरकार के सहयोग से आयोजित हुए खाद्य प्रसंस्करण शिखर

सम्मेलन में दिए गए निर्देशों के तहत आलू के प्रसंस्करण के लिये फूड प्रोसेसिंग से जुड़े उद्यमियों से करारनामा करें। साथ ही जो किसान कॉन्ट्रेक्ट फॉर्मिंग के जरिए लाभ कमाना चाहते हैं, उनका उद्यमियों के साथ करारनामा कराएँ। साथ ही किसानों को भी फूड प्रोसेसिंग के लिये प्रेरित करें। कलेक्टर ने जिला उद्योग केन्द्र के अधिकारियों को एक जिला एक उत्पाद÷ के तहत जिले के स्टोन कारोबार को विस्तार देने के निर्देश दिए।

स्व-सहायता समूहों के कारोबार को ऊँचाईयाँ देने के लिये मार्ट खुलवाएँ–कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बैठक में कहा कि शहरी आजीविका मिशन एवं ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित महिला स्व-सहायता समूहों के कारोबार को ऊँचाईयाँ देने के लिये मार्ट खुलवाने के प्रयास किए जाएँ। उन्होंने कहा ये मार्ट रिलायंस व टाटा मार्ट की तर्ज पर खोले जाएँ। मार्ट खोलने के लिये स्व-सहायता समूहों को बैंकों के माध्यम से ऋण मंजूर कराएँ। श्री सिंह ने कालीन पार्क व गारमेंट पार्क में भी स्व-सहायता समूहों को जगह उपलब्ध कराने के लिये कहा। साथ ही निर्देश दिए कि समूहों के उत्पाद को बाजार मुहैया कराने के लिये आर्थिक राजधानी मुम्बई सहित अन्य शहर के कारोबारियों से संपर्क किया जाए।

राजस्व अधिकारियों से माँगी एंटी माफिया अभियान की आगामी कार्ययोजना–बैठक में कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने यह भी निर्देश दिए कि एंटी माफिया अभियान लगातार जारी रखें। उन्होंने राजस्व अधिकारियों से एंटी माफिया अभियान की आगामी कार्ययोजना मांगी है। श्री सिंह ने निर्देश दिए कि एंटी माफिया अभियान के तहत सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने के साथ-साथ गृह निर्माण सोसायटियों में पात्र लोगों को प्लॉट के कब्जे भी दिलवाए जाएँ। उन्होंने मिलावट से मुक्ति अभियान व शराब माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए। साथ ही गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (चिटफंड) से निवेशकों की धन वापसी कराने की हिदायत भी दी।

शिकायतकर्ता की संतुष्टि के साथ करें सीएम हैल्पलाइन की शिकायतों का निराकरण–कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने सीएम हैल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण अर्थात शिकायतकर्ता की संतुष्टि के साथ निराकरण करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने राजस्व, चिकित्सा शिक्षा, खाद्य एवं जनजाति कल्याण विभाग में अधिक शिकायतों के लंबित होने पर नाराजगी जताई। साथ ही निर्देश दिए कि संबंधित विभागों के अधिकारी जल्द से जल्द शिकायतों का निराकरण करें अन्यथा उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

ग्वालियर में भूखण्डों के नामन्तरण बंटवारा प्रकरणों का निराकरण

ग्वालियर। ग्वालियर पूर्व से कॉग्रेस विधायक डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने आज विधानसभा में सोनू चिरैया अभ्यारण की डीनोटीफाई जमीन, ग्वालियर में भूखण्डों के नामन्तरण बंटवारा प्रकरणों का निराकरण, जिलों (ग्वालियर, मुरैना, भिण्ड) में खरीदी केन्द्रो के स्थान परिवर्तन, सर्प काटने पर मृत्यु पर आर्थिक सहायता, बाल श्रमिकों से काम लेने के प्रकरण पर सवाल उठाये। संबधित मंत्रियों द्वारा सवालों के जबाव दिये गये। विधानसभा में विधायक डॉ. सिकरवार ने सवाल उठाते हुये कहा कि ग्वालियर, घाटीगांव, गिरवाई राजस्व कृशि क्षेत्र से गांव गिरवाई, चकगिरवाई, कोटालसर, बरा, नयागांव, पनिहार, रायपुर, बरई, मालीपुर, सुजवाया, तिघरा, बिठौली, महाराजपुरा, ओडपुर, सौजना, घाटीगांव धुंआ, जखौदी, खितेरा वसईकला समेडी, कालाखेत, रामपुरा आदि गांव को सोन चिरैया अभ्यारण से डिलीट करने का नोटीफिकेषन जारी हुए कितना समय राजस्व विभाग को प्राप्त हुआ है? उक्त गांवों की 11173 हेक्टेयर भूमि के सर्वे नम्बर राजस्व विभाग द्वारा अभी तक घोशित करने में विलम्ब के क्या कारण है? अभ्यारण द्वारा डीनोटीफिकेषन के बाद भी राजस्व विभाग द्वारा रकबा, सर्वे नम्बर नहीं देने से किसानों की खेती की जमीन के बंटवारा, नामांतरण, प्रकरणों में विलम्ब हो रहा है। कृशि जमीन की रजिस्ट्री नहीं होने से किसानों को परेषानी हो रही है, इसकार निराकरण कब तक कर दिया जावेगा?। विधायक डॉ. सिकरवार के सवाल का जबाव देते हुये राजस्व मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने कहा कि मध्यप्रदेष षासन विभाग द्वारा मध्यप्रदेष षासन के राजपत्र दिनांक 27.11.2020 में सोन चिरैया अभ्यारण से डिलीट करने का नोटीफिकेषन जारी किया गया था जिसे लगभग 3 माह का समय हुआ है। सोन चिरैया अभ्यारण से वन विभाग द्वारा डीनोटीफाई किये गये सर्वे नम्बरों की सूची अप्राप्त है। नामांतरण/बटवारे के आवेदन पत्रों का निराकरण गुण-दोश के आधार पर किया जा रहा है।

मेले की व्यवस्थाओं के संबंध में बैठक 17 मार्च को

ग्वालियर। ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण द्वारा श्रीमंत माधवराव सिंधिया ग्वालियर व्यापार मेला वर्ष 2021-22 की व्यवस्थाओं के संबंध में संभागीय आयुक्त श्री आशीष सक्सेना की अध्यक्षता में 17 मार्च को अपरान्ह 4 बजे से बैठक आयोजित की गई है। मेले के फैसिलिटेशन सेंटर में आयोजित इस बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ मेला व्यापारी संघ के सदस्यों को भी आमंत्रित किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने गूलर का पौधा रोपा

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज स्मार्ट उद्यान में गूलर का पौधा रोपा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतिदिन एक पौधा हम सभी को लगाना है। मुख्यमंत्री ने कल पारिजात का पौधा रोपा था।

गूलर का महत्व–गूलर उत्तम औषधि है। चिकित्सा शास्त्रियों के अनुसार कफ, पित्त और अतिसार सहित कई बीमारियाँ इससे ठीक होती हैं। गूलर रक्त विकार दूर करने में भी उपयोगी है। गूलर शीतल, गर्भसंधानकारक, व्रणरोपक, रूक्ष, कसैला, भारी, मधुर, अस्थिसंधान कारक एवं वर्ण को उज्ज्वल करने वाला है। कफ-पित्त, अतिसार को भी नष्ट करने वाला है।

गूलर की छाल - अत्यंत शीतल, दुग्धवर्धक, कसैली, गर्भ हितकारी और वर्णविनाशक हैं।

कोमल फल- स्तम्भक, कसैले, हितकारी, तथा तृषा पित्त-कफ और रूधिर-दोष नाशक है।

मध्यम कोमल फल - स्वादु, शीतल, कसैले, पित्त, तृषा, मोहकारक एवं वमन तथा प्रदर रोग विनाशक हैं।

तरूण फल - कसैले, रूचिकारी, अम्ल, दीपन, माँसवर्धक, रूधिरदोषकारी और दोषजनक हैं।

पका फल - कसैला, मधुर, कृमिकारक, जड, रूचिकारक, अत्यंत शीतल, कफ-कारक, तथा रक्तदोष, पित्त, दाह, क्षुधा, तृषा, श्रम, प्रमेह शोक और मूर्छा नाशक है। गूलर दो प्रकार का होता है - नदी उदुम्बर और कठूमर। कठूमर के पत्ते गूलर के पत्तों से बड़े होते हैं।

त्यौहारों पर बंदियों से परिजनों की होगी ई-मुलाकात

ई-मुलाकात के लिये 29 मार्च तक पंजीयन आनिवार्य

ग्वालियर। कोविड-19 के संक्रमण को देखते हुए केन्द्रीय जेल ग्वालियर में निरूद्ध बंदियों से परिजनों की मुलाकात को प्रतिबंधित किया गया है। निरूद्ध बंदियों से परिजनों की मुलाकात के लिये ई-मुलाकात की व्यवस्था की गई है। जेल अधीक्षक श्री मनोज कुमार साहू ने जानकारी दी है कि कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए त्यौहारों पर बंदियों से परिजनों की मुलाकात को प्रतिबंधित किया गया है। बंदियों से परिजनों की मुलाकात के लिये ई-मुलाकात की व्यवस्था प्रारंभ की गई है। होली पर्व के पश्चात 30 मार्च को भाईदूज पर्व पर होने वाली मुलाकात ई-मुलाकात के रूप में होगी। ई-मुलाकात के लिये बंदियों के परिजन 29 मार्च तक ई-मुलाकात प्रारूप जमा करें। प्रारूप जमा होने के पश्चात 30 मार्च को प्रातः 8 बजे से शाम 4 बजे तक बंदियों से ई-मुलाकात हो सकेगी। उन्होंने ई-मुलाकात के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि बंदियों के परिजनों को ई-मुलाकात के लिये पर जाना होगा। इसके उपरांत वेबसाइट के होम पेज पर (ई-मुलाकात) के विकल्प पर बटन दबाना होगा। इसके बाद खुलने के उपरांत दो फार्म दिखाई देंगे। विजिटर डिटेल फॉर्म में परिजनों को अपनी जानकारी भरना होगी। टू मीट फार्म में बंदी की जानकारी भरना होगी। समस्त फॉर्मों के कॉलम की पूर्ति उपरांत इंग्लिश के केप्चा अक्षर भरें तथा सबमिट पर क्लिक करें। सम्पूर्ण प्रक्रिया सफलतापूर्वक सम्पन्न होने पर ही परिजनों की बंदियों से ई-मुलाकात होगी।

बाल विवाह करना कानूनी अपराध

1 लाख का जुर्माना एवं दो वर्ष का कारावास

दतिया। समेकित बाल संरक्षण योजना अंतर्गत विकासखंड सेवढ़ा के ग्राम पंचायत सिरसा में विभिन्न पंचायतों में गठित पंचायत स्तरीय बाल संरक्षण समितियों का प्रशिक्षण, कार्यशाला श्रीमती ममता रजक ग्राम पंचायत सिरसा की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। जिसमें श्री आनंद शर्मा, ग्यासी बाई, छोटी बाई कुशवाह आदि उपस्थित रही। कार्यशाला में बताया गया कि बाल विवाह करना कानूनी अपराध है। बाल विवाह होने पर एक लाख रूपये का जुर्माना एवं दो वर्ष का कारावास हो सकता है। कार्यक्रम में परियोजना अधिकारी सेवढ़ा श्री राजेन्द्र सिंह गुर्जर ने किशोकर न्याय अधिनियम अंतर्गत देखरेख एवं आवश्यकता वाले बच्चों तथा विधि विवादित बच्चों के संरक्षण हेतु म.प्र. शासन के आदेशानुसार पंचायत स्तरीय बात संरक्षण समितियों का गठन प्रत्येक पंचायत में सरपंच की अध्यक्षता में किया जाना है। जिसमें पंचायत सचिव, वार्ड पंच, प्रधानाध्यापक, थाने से एक कॉन्सटेवल, आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, शाला प्रबंधन समिति अध्यख, दो बाल प्रतिनिधि आदि लोग सदस्य के रूप में नामित किए जायेंगे। बाल संरक्षण अधिकारी श्री धीर सिंह कुशवाहा द्वारा किशोकर न्याय अधिनियम पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कानून के तहत् जरूरतमंद एवं आवश्यकता वाले बच्चों तथा विधि विवादित बच्चों के संरक्षण एवं उन्हें समाज की मुख्य धारा में लाने हेतु समितियों को ऐसे बच्चों को चिन्हित कर शासन की योजनाओं का लाभ दिलाये जाने का कार्य करना है। सामाजिक कार्यकर्ता श्री आशीष श्रीवास्तव ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के बारे में कहा कि 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की एवं 21 वर्ष से कम उम्र के लड़के का विवाह करना कानूनन अपराध है ऐसे विवाह में शामिल वर एवं वधु पक्ष, पंड़ित, नाई, टैंटवाला, हलवाई, बैण्ड़वावलों एवं बाराती आदि को एक लाख रूपये तक जुर्माना एवं दो वर्ष का कारावास या दोनो ही हो सकते है। कार्यक्रम में श्री बृजेन्द्र सिंह कौरव द्वारा लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 के बारे में बताया कि पोक्सो अधिनियम बच्चों के लैंगिक संरक्षण हेतु बनाया गया कानून है। इसके तहत् मृत्यु दंड़ का प्रावधान है। न्यू न्यूट्रल जेन्डर कानून है, इसमें पुरूष बालक के साथ हुए लैंगिक अपराधों को भी शामिल किया गया है। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास पर्यवेक्षक श्री रामकुमार गैतम, श्रीमती सुनीता नामदेव, श्रीमती रमा गुप्ता, श्रीमती साधना गुप्ता एवं पंचायत स्तरीय बाल संरक्षण समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे।

खाद्य मंत्री श्री सिंह ने वेबिनार के माध्यम से की उपभोक्ता अधिकारों की समीक्षा

100 रूपये से 100 करोड़ रूपये का मुकदमा भी उपभोक्ता दर्ज करा सकेंगे

दतिया। विश्व उपभोक्ता दिवस के अवसर पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री बिसाहूलाल सिंह ने कहा कि उत्पादों एवं सेवाओं के क्रय एवं विक्रय के समय क्रेता एवं विक्रेता दोनों को ही पारदर्शिता रखनी चाहिए। मंत्री श्री सिंह सोमवार को मंत्रालय में आयोजित उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के महत्व एवं प्रावधानों के विषय पर वेबिनार के माध्यम से प्रदेश के स्वैच्छिक उपभोक्ता संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, कृषि विज्ञान केन्द्रों, उपभोक्ता आयोग के पदाधिकारी, सदस्यों, अधिकारी एवं कर्मचारियों को संबोधित कर रहे थे। प्रमुख सचिव, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति श्री फैज़ अहमद किदवई ने कहा कि यह एक्ट कन्ज्यूमर फ्रेंडली एक्ट है। इस एक्ट को उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। स्वैच्छिक संगठन जो उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में काम कर रहे हैं, से मैं कहना चाहूँगा कि हमारे विभाग द्वारा वित्तीय सहायता का भी प्रावधान है। जो संस्थाएँ इस क्षेत्र में अच्छा काम कर रही हैं उन्हें इसका लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी होने पर सलाह, मार्गदर्शन एवं समाधान के लिए राज्य उपभोक्ता हेल्प लाइन टोल फ्री नंबर 1800 233 0046 पर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। कार्यक्रम में उपभोक्ता फोरम के अधिवक्ता श्री हितेश जोशी ने उपभोक्ता अधिकार अधिनियम 2019 में किये गए संशोधनों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नवीन प्रावधानों के अनुसार अब उपभोक्ता अपनी क्रय सेवाओं से संतुष्ट न होने की स्थिति में जिला उपभोक्ता फोरम में भी विक्रेता के विरूद्ध मुकदमा दर्ज करा सकेंगे। फिर वो चाहे 100 रूपये का हो या 100 करोड़ रूपये का। पहले वो मुकदमा वहीं दर्ज करा सकता था जहाँ से उसने सेवायें क्रय की होती थीं। इसके साथ ही उपभोक्ता को शिकायत होने पर जिस विक्रेता से वस्तु अथवा सेवायें क्रय करता था, उसके विरूद्ध मुकदमा दर्ज करा सकता है। इसके पूर्व निर्माता के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराने का प्रावधान था। प्रमुख सचिव श्री किदवई ने कहा कि उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले स्वैच्छिक उपभोक्ता संगठनों को प्रतिवर्ष राज्य एवं संभाग स्तर पर पुरस्कृत किया जाता है। इसी अनुक्रम में मंत्री श्री सिंह ने आशा फाउन्डेशन को प्रथम पुरस्कार के रूप में एक लाख रूपये एवं प्रशस्ति-पत्र, द्वितीय पुरस्कार के रूप में जागरूक उपभोक्ता समिति को 51 हजार एवं प्रशस्ति पत्र एवं तृतीय पुरस्कार कटनी की अ.भा. उपभोक्ता उत्थान संगठन को 25 हजार रूपये एवं प्रशस्ति-पत्र के रूप में प्रदान किये गये। इसके अलावा निबंध प्रतियोगिता में अलीराजपुर की जागृति परिहार को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। पुरस्कार स्वरूप उन्हें 6 हजार रूपये, प्रशस्ति-पत्र, इंदौर की छायादेवी सिंह को द्वितीय पुरस्कार के रूप में 4 हजार रूपये एवं प्रशस्ति-पत्र, तृतीय पुरस्कार के रूप से पुल्कित मरमट उज्जैन को 2 हजार रूपये एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया।

अपर संचालक श्री मौर्य ने लगवाया कोरोना का टीका

ग्वालियर। अपर संचालक जनसंपर्क ग्वालियर श्री जी एस मौर्य ने आज कोरोना वैक्सीन का पहला टीका लगवाया। उन्होंने जेएएच परिसर स्थित कोविड-19 वेक्सीनेशन सेंटर पर पहुँचकर कोविशिल्ड वैक्सीन का प्रथम डोज टीके के रूप में लिया। श्री मौर्य ने कहा टीका लगवाने में कोई परेशानी नहीं हुई। उन्होंने सभी से अपील की है कि वैश्विक महामारी कोविड-19 को हराने के लिए अपनी बारी आने पर टीका जरूर लगवाएँ।

श्रमोदय विद्यालय ग्वालियर में प्रवेश के लिए आवेदन 25 मार्च तक

ग्वालियर। भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के पुत्र एवं पुत्रियों की शिक्षा के लिए श्रमोदय आवासीय विद्यालय ग्वालियर में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रवेश परीक्षा 2021 में सम्मिलित होने के लिये ऑनलाईन आवेदन की अंतिम तिथि 25 मार्च 2021 नियत है। इच्छुक श्रमिक ऑनलाइन आवेदन कर अपने बच्चों को इस प्रवेश परीक्षा के जरिए श्रमोदय विद्यालय में प्रवेश दिला सकते हैं।

सांची बौद्ध विश्वविद्यालय की नवीन वेबसाइट लोकार्पित

दतिया। संस्कृति, पर्यटन एवं आध्यात्म मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने सोमवार को मंत्रालय में साँची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की नवीन वेबसाइट का लोकार्पण किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ.नीरजा ए गुप्ता, रजिस्ट्रार एवं संचालक संस्कृति श्री अदिति कुमार त्रिपाठी, डिप्टी रजिस्ट्रार सुश्री वंदना जैन, सहायक निर्देशक आईटी श्री सौरभ उमालकर सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। वेबसाइट का लोकार्पण आजादी के 75वें वर्ष में आयोजित होने वाले अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में किया गया। संस्कृति, पर्यटन एवं आध्यात्म मंत्री सुश्री ठाकुर ने कहा कि अमृत महोत्सव के अतंर्गत विश्वविद्यालय द्वारा ऐसी गतिविधियों का आयोजन किया जाये जो सम्पूर्ण देश में उदाहरण बन सकें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीयता से सरावोर वातावरण निर्मित कर भारत के गौरवशाली इतिहास की जानकारी लोगों तक पहुँचाने में विश्वविद्यालय अपनी अह्म भूमिका निभाये। कुलपति डॉ. नीरजा ए.गुप्ता ने कहा कि साँची विश्वविद्यालय द्वारा अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में आने वाले 75 सप्ताह तक श्स्वश् की भावना जागृत करते हुए कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। नवीन वेबसाइट में विश्वविद्याल के सभी उददेश्यों को समाहित किया गया है। यह वेबसाइट यूजर फ्रेंडली होने के साथ-साथ वन स्पॉट न्यूज पॉइन्ट के रूप में कार्य करेगी।

उपभोक्ताओं की समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता से करें: विनोद कटारे, महाप्रबंधक शहर वृत्त

चेम्बर भवन में विद्युत समस्या निवारण शिविर सम्पन्न

ग्वालियर। मध्यप्रदेश चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री में आज मासिक विद्युत समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर म.प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के महाप्रबंधक शहर वृत्त-श्री विनोद कटारे, उत्तर संभाग के उपमहाप्रबंधक-श्री अमरेश शुक्ला, दक्षिण संभाग के उपमहाप्रबंधक-श्री राहुल साहू, सेन्ट्रल डिवीजन के उपमहाप्रबंधक-श्री राजकुमार मालवीय आदि अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे। शिविर के प्रारंभ में विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों का बुके देकर स्वागत किया गया। शिविर का संचालन कर रहे मानसेवी सचिव डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने कहा कि नगर निगम सीमा का विस्तार होकर वार्ड 61 से 66 हो गये हैं, परंतु वितरण कंपनी के शहर वृत्त में अभी वार्ड 60 तक के उपभोक्ता ही आते हैं। इसलिए निगम सीमा में शामिल हुए नये 6 वार्डो के उपभोक्ताओं को भी शहर वृत्त में शामिल किया जाये, ताकि उपभोक्ता को निर्वाध विद्युत आपूर्ति प्राप्त होकर समस्याओं का निराकरण शीघ्रता से हो सके। शिविर में एक ही परिसर में

दूसरा घरेलू कनेक्शन नहीं दिये जाने की शिकायत लेकर भी कई उपभोक्ता आये परंतु नवीन नियमानुसार ऐसे उपभोक्ताओं को कनेक्शन नहीं दिये जा रहे हैं। म.प्र. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री द्वारा शासन से मांग की है कि यदि वास्तविक आधार पर नवीन कनेक्शन की डिमांड आती है तो उसे दिया जाना चाहिए। चेम्बर इसके लिए शासन स्तर पर प्रयास करेगा। शिविर में 12 साल पुराने प्रकरण का निराकरण कर, उपभोक्ता को राहत प्रदान की गई। साथ ही कई उपभोक्ताओं की शिकायतों का मौके पर ही निराकरण किया गया। शिविर में करीब 100 विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायतें प्राप्त हुईं। म.प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के महाप्रबंधक (शहर वृत्त)-श्री विनोद कटारे ने सभी डिवीजन के उपमहाप्रबंधक को निर्देशित किया कि शिविर में आये विद्युत उपभोक्ताओं का निराकरण प्राथमिकता से करें। वहीं ऐसे प्रकरण जिनका निराकरण मौके पर संभव नहीं हो सका है, उनका निराकरण 31 मार्च तक आवश्यक रूप से कर, चेम्बर ऑफ कॉमर्स को रिपोर्ट प्रेषित करें ताकि उपभोक्ताओं की शिकायतें शीघ्रता से दूर हो सकें। वहीं जोन कार्यालय पर उपभोक्ता के साथ बेहतर व्यवहार रहे, यह सुनिश?चित करने के निर्देश भी दिये। शिविर का संचालन एवं आभार-मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल द्वारा किया गया। शिविर में कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल, सदस्य-दीपक जैन, राजा श्रीवास्तव, अनिल कुमार गोयल आदि सहित काफी संख्या में विद्युत उपभोक्ता उपस्थित रहे।

PTV NEWS INDIA प्रतिभा हम निखारेंगे
PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल
अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी, लेख, कविताओं को हम देंगे जगह आपके अंदर की प्रतिभा को हम उभारेंगे।
तो देर किस बात की हमे भेजें अपनी कविता, लेख, कहानियां फिर देश की आर्थिक स्थति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार
आप हमें व्हाट्सप या मेल भी कर सकते हैं"
हमारा उद्देश्य भारत में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकालना।
PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल
Whatsapp :- 9425665944,7999246560, 9691270207
gmail - pushpanjalitoday@gmail.com
नोट - व्हाट्सएप या मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो ओर नाम/ पता / अवश्य भेंजे

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निअर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478